Drishti IAS

करेंट अफेयर्स
उत्तर प्रदेश
(संग्रह)

मार्च
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश..3

- इलेक्रामा-2025 3
- ताज महोत्सव..3
- सोनभद्र में फ्लोराइड विषाक्तता..5
- देश की पहली लिथियम ग्रेड रिफाइनरी 6
- पाँच शहरों को मिलेगी यूनेस्को की मान्यता..7
- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (MYUVA)' योजना 9
- इंटीग्रेटेड सोलर मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट 10
- महापुरुषों पर नई योजनाएँ 10
- महिला तायक्वांडो चैंपियनशिप..12
- COAIEMA सम्मेलन..12
- ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन..13
- स्वावलंबिनी 15
- वाराणसी में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क 16
- RISE ऐप..17
- स्वतंत्रता सेनानी चित्तू पांडे का स्मारक 18
- महर्षि दधीचि कुंड..20
- रडार अनुबंध 22
- धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर 23
- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व..23
- सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस 26
- मॉडल गाँव अभियान..27
- गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स 28
- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम पर नेशनल कॉन्फ्रेंस 30
- किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) के अंतर्गत जायद फसलें..31
- नगर निगम बनेंगे सोलर सिटी 33
- नेज़ा मेला 34
- स्टार्टअप इकोसिस्टम रिपोर्ट-2025..34
- बिठूर महोत्सव 2025 36
- उत्तर प्रदेश में देश का पहला टेक्सटाइल मशीन पार्क 36
- वाराणसी में डॉल्फिन सफारी..37

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश

इलेक्रामा-2025

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में '**इलेक्रामा-2025**' का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **इलेक्रामा 2025 बारे में:**
  - यह कार्यक्रम 22-26 फरवरी तक आयोजित किया गया।
  - यह इलेक्रामा का **16वाँ संस्करण** था। इसे **IEEMA द्वारा** आयोजित किया गया।
  - इसमें भारत सहित दुनिया भर की **विद्युत और ऊर्जा तकनीकों का प्रदर्शन** किया गया। जैसे-
    - ई-मोबिलिटी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर
    - डिजिटल ऊर्जा तकनीक
    - ट्रांसफॉर्मर, स्विचगियर, इंसुलेटर, HVDC सिस्टम
    - फॉल्ट डिटेक्शन और ऑटोमेशन सिस्टम
    - औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिये ड्राइव और नियंत्रण प्रौद्योगिकियाँ

इलेक्रामा के बारे में:

- इलेक्रामा, भारतीय विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का सबसे बड़ा और प्रमुख कार्यक्रम है, जो बिजली क्षेत्र के पारिस्थितिकी- तंत्र को प्रदर्शित करने के लिये आयोजित किया जाता है।
- यह कार्यक्रम हर दो साल में आयोजित होता है और यह देश में विद्युत उद्योग के सबसे बड़े समागम के रूप में जाना जाता है।
- इलेक्रामा का मुख्य उद्देश्य उद्योग के सभी पहलुओं को एक साथ लाना है।
- इस आयोजन में विद्युत से जुड़ी हर चीज पर चर्चा की जाती है, जिसमें नई तकनीकें, उत्पाद और आगामी ट्रेंड्स शामिल होते हैं।

ताज महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

18 फरवरी से 2 मार्च 2025 तक आगरा के शिल्प ग्राम में **ताज महोत्सव** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **आयोजन के बारे में:**
  - ताज महोत्सव में भारतीय कला, शिल्प, संगीत, नृत्य **और व्यंजनों** का अनूठा संगम देखने को मिला। महोत्सव के दौरान, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिल्प प्रदर्शनियाँ और खाद्य मेले आयोजित किये गए।
  - **आयोजन:** यह ताज महोत्सव का 33वाँ संस्करण था जिसका आयोजन **ताज महोत्सव समिति** द्वारा किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **थीम:** महोत्सव की थीम '**धरोहर**' थी, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है।
- **प्रमुख कार्यक्रम**
  - अटल उद्यान में पुष्प प्रदर्शनी
  - परिधान शो
  - हमारी धरोहर हमारी पहचान
  - **सूर सरोवर पक्षी विहार** में बर्ड वॉचिंग

ताज महोत्सव:

- **परिचय:**
  - यह **आगरा के शिल्पग्राम** में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला **एक जीवंत 10 दिवसीय उत्सव** है।
  - यह उत्सव 18वीं और 19वीं शताब्दी के दौरान उत्तर प्रदेश में विकसित **समृद्ध मुगल एवं नवाबी संस्कृति** से प्रेरित होता है।
- **उद्देश्य**
  - ताज महोत्सव की शुरुआत वर्ष 1992 में आगरा के स्थानीय कारीगरों और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिये की गई थी।

आगरा ज़िला

- परिचय
  - यह उत्तर प्रदेश राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में यमुना नदी के किनारे अवस्थित है।
  - इस ज़िले का अक्षांश 27.11' उत्तर व देशांतर 78.0' से 78.2' पूर्व है।
  - यह राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के साथ अंतर्राज्यीय सीमा बनता है।
- **स्थापना:**
  - आधुनिक आगरा की स्थापना **1504 ई०** में **सिकंदर लोदी** द्वारा की गई थी।
  - 1504 ई० में उसने अपनी **राजधानी को दिल्ली से आगरा स्थानांतरित किया था**।
- **प्रमुख दर्शनीय स्थल:**
  - ताजमहल
  - आगरा किला
  - फतेहपुर सीकरी
  - इतमाद-उद-दौला का मकबरा
  - अकबर का मकबरा
  - बुलंद दरवाज़ा
  - मोती मस्जिद
  - कीठम झील (सूरी सरोवर पक्षी विहार)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सोनभद्र में फ्लोराइड विषाक्तता

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के **सोनभद्र ज़िले** में फ्लोराइड प्रदुषण का अधिक स्तर पाया गया है, जिसके कारण लाखों लोगों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - सोनभद्र ज़िले के 276 गाँवों की दो लाख से अधिक आबादी फ्लोराइड युक्त पानी पीने से प्रभावित है।
    - कोन, वभनी, म्योरपुर और दुद्धी ब्लॉक के गाँवों के भूजल में **फ्लोराइड का स्तर** निर्धारित मानक से **5-6 गुना से अधिक पाया गया** है।
  - **स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव:**
    - इसके चलते लोगों की **हड्डियाँ कमज़ोर और टेढ़ी हो रही हैं,** बच्चे जन्म से ही **दिव्यांग** पैदा हो रहे हैं और बड़ी संख्या में बुजुर्ग **चलने में असमर्थ** हो रहे हैं।
  - **NGT का आदेश:**
    - राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal - NGT) के आदेश के बावजूद लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिये मज़बूर हैं।
    - स्थानीय प्रशासन और **संबंधित विभागों** द्वारा इसे प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया।

फ्लोराइड

- **परिचय:**
  - फ्लोराइड एक व्यापक रूप से पाया जाने वाला, गैर-बायोडिग्रेडेबल और दीर्घकालिक प्रभाव वाला प्रदूषक है। यह कोयले की ईंटों को जलाने से बनता है। फ्लोराइड **प्राकृतिक रूप से** खनिजों के साथ-साथ **मिट्टी, पानी और हवा में** भी पाया जाता है।
- **विषाक्तता:**
  - यह अत्यधिक **विषैला** होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पीने के जल में फ्लोराइड की ऊपरी सीमा 1.5 मिग्रा/लीटर की सिफारिश की है।
- **फ्लोराइड के प्रभाव:**
  - पर्याप्त मात्रा में सेवन किये जाने पर, **फ्लोराइड दाँतों की सड़न को रोकता है**, दाँतों के इनेमल के निर्माण में सहायता करता है और हड्डियों के खनिजीकरण में कमी को रोकता है।
  - **किंतु अधिक मात्रा में यह हड्डियों और जोड़ों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, साथ ही दाँतों में फ्लोरोसिस का कारण बनता है।**
  - फ्लोराइड प्रदूषण का वन्यजीवों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

देश की पहली लिथियम ग्रेड रिफाइनरी

लोहुम कंपनी ने ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में देश की पहली लिथियम ग्रेड रिफाइनरी की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **उत्पादन क्षमता और दक्षता**
  - यह रिफाइनरी **1,000 मीट्रिक टन** बैटरी-ग्रेड लिथियम सालाना उत्पादन करेगी। वर्ष 2029 में इसकी क्षमता 20 हज़ार टन हो जाएगी।
  - ई-वेस्ट से निकलने वाले ब्लैक मास को रिसाइकिल कर उसमें से लिथियम उत्सर्जित किया जाएगा।
  - इसके अतिरिक्त, कंपनी **कैथोड एक्टिव मटीरियल (CAM)** के उत्पादन में अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रही है, जो बड़े पैमाने पर लिथियम-आयन बैटरी उत्पादन के लिये आवश्यक घटक है।
  - कंपनी वर्तमान में भारत में 90 प्रतिशत से अधिक लिथियम को रिफाइन कर रही है।
  - कंपनी के अनुसार इसकी **तकनीकी दक्षता** चीन की तुलना में प्रतिस्पर्द्धात्मक और अमेरिकी/यूरोपीय सुविधाओं की तुलना में अधिक किफायती है।
- **लिथियम रिफाइनिंग:**
  - इलेक्ट्रिक वाहनों (EV), स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में लिथियम-आयन बैटरियों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
  - आने वाले वर्षों में भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी भंडारण की मांग तेज़ी से बढ़ने वाली है, जिससे **लिथियम की ज़रूरत भी बढ़ेगी**।
  - भारत की लिथियम आपूर्ति का **बड़ा हिस्सा चीन से आता है**, जो भारत के लिये एक रणनीतिक और आर्थिक चुनौती है।
  - लोहुम का यह विस्तार भारत को इस निर्भरता से मुक्त करने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लिथियम

परिचय:

- यह एक रासायनिक तत्त्व है जिसका **प्रतीक (Li)** है।
  - यह एक **नरम तथा चाँदी के समान सफेद धातु** है।
  - मानक परिस्थितियों में यह **सबसे हल्की धातु** और **सबसे हल्का ठोस तत्त्व** है।
  - यह अत्यधिक **प्रतिक्रियाशील** और **ज्वलनशील** है, अत: इसे खनिज तेल के रूप में संगृहीत किया जाना चाहिये।
  - यह **क्षारीय एवं एक दुर्लभ धातु** है।
- **क्षार धातुओं** में लिथियम, सोडियम, पोटेशियम, रुबिडियम, सीज़ियम और फ्रेंशियम रासायनिक तत्त्व शामिल होते हैं। ये हाइड्रोजन के साथ मिलकर समूह-1 (group- 1) जो आवर्त सारणी (Periodic Table) के एस-ब्लॉक (s-block) में स्थित है, का निर्माण करते हैं।
- **दुर्लभ धातुओं (Rare Metals- RM)** में नायोबियम (Nb), टैंटेलम (Ta), लिथियम (Li), बेरिलियम (Be), सीज़ियम (Cs) आदि और दुर्लभ मृदा तत्त्वों (Rare Earths- RE) में स्कैंडियम (Sc) तथा इट्रियम (Y) के अलावा लैंटेनियम (La) से लुटीशियम (Lu) तक के तत्त्व शामिल हैं।
  - ये धातुएँ अपने **सामरिक महत्त्व के कारण परमाणु और अन्य उच्च तकनीकी उद्योगों** जैसे- इलेक्ट्रॉनिक्स, **दूरसंचार,** सूचना प्रौद्योगिकी, **अंतरिक्ष, रक्षा** आदि में उपयोग की जाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

पाँच शहरों को मिलेगी यूनेस्को की मान्यता

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की **सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने** और उसे **विश्व स्तर पर पहचान दिलाने** के उद्देश्य से **5 शहरों को** अमूर्त विरासत और रचनात्मक शहरों के रूप में यूनेस्को **की मान्यता** हेतु आवेदन करेगी।

मुख्य बिंदु

- **चयनित सांस्कृतिक शहर (तत्त्व)**
  - कन्नौज का इत्र
  - ब्रज की होली
  - वाराणसी की गंगा आरती
  - फिरोज़ाबाद की कांच कला
  - आज़मगढ़ (निजामाबाद) की ब्लैक पॉटरी
- **प्रयास:**
  - इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार बुंदेलखंड **की** लोककला एवं लोक साहित्य **को भी** मानवता की **अमूर्त सांस्कृतिक विरासत** में शामिल कराने के लिये प्रयास कर रही है।
- **कन्नौज के इत्र** के लिये **देग-भापका विधि**, ऐतिहासिक महत्त्व, सामाजिक-आर्थिक प्रभाव और पारंपरिक प्रक्रियाओं पर शोध किया जाएगा।
- **वाराणसी की गंगा आरती** के ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और अनुष्ठानिक महत्त्व पर अध्ययन किया जाएगा।
- **ब्रज की होली** विशेष रूप से **लट्ठमार होली** को प्रमुखता दी जाएगी।
- **बुंदेलखंड के आल्हा गायन व राई नृत्य**, आज़मगढ़ की **ब्लैक पॉटरी** और फिरोज़ाबाद के **कांच उद्योग** पर शोध कर दस्तावेज तैयार किये जाएंगे।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - वर्ष **2017 में** केंद्र व प्रदेश सरकार के प्रयासों से कुंभ **को पहली बार** यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी गई थी।

यूनेस्को

- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (UNESCO), संयुक्त राष्ट्र (United Nation- UN) की एक विशेष एजेंसी है। यह संगठन शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से शांति स्थापित करने का प्रयास करता है।
- यूनेस्को के कार्यक्रम एजेंडा 2030 में परिभाषित सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals) की प्राप्ति में योगदान करते हैं, जिसे 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया गया था।
- इसके 193 सदस्य देश और 11 संबद्ध सदस्य हैं। **भारत वर्ष 1946 में यूनेस्को में शामिल** हुआ था।
  - संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल ने यूनेस्को की सदस्यता वर्ष 2019 में औपचारिक रूप से छोड़ दी थी।
- इसका **मुख्यालय पेरिस** (फ्राँस) में है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

प्रभाव और संभावित लाभ:

- **वैश्विक मान्यता** मिलने से इन सांस्कृतिक विरासतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार मिलेगा।
- **पर्यटन को बढ़ावा** मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।
- **स्थानीय कारीगरों, कलाकारों और परंपरागत उद्योगों को संरक्षण** मिलेगा, जिससे उनकी आजीविका को बल मिलेगा।
- **संस्कृति और धरोहर के संरक्षण को बढ़ावा** मिलेगा, जिससे ये परंपराएं आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहेंगी।

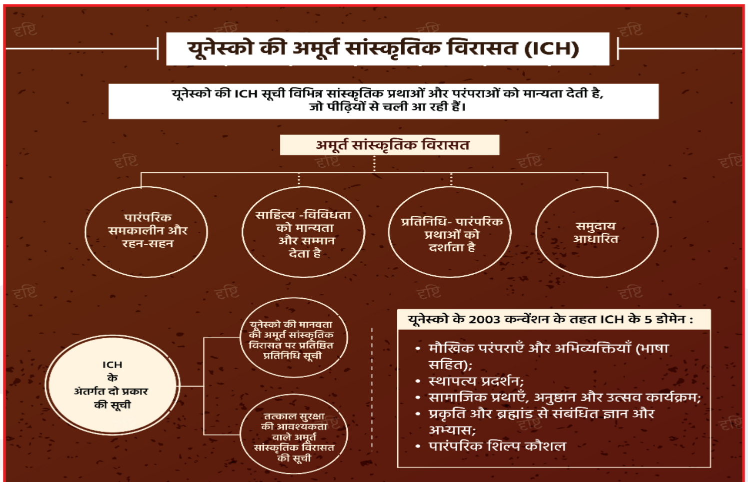

क्र.सं.	भारत का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आई.सी.एच.)	वर्ष	विवरण
1	गुजरात का गरबा	2023	नवरात्रि के दौरान प्रस्तुत किया जाने वाला गुजरात का पारंपरिक नृत्य
2	कोलकाता में दुर्गा पूजा	2021	भव्य हिंदू त्यौहार जिसमें विस्तृत अनुष्ठान और दुर्गा की कलात्मक प्रदर्शनियाँ शामिल हैं
3	कुंभ मेला	2017	हिंदू तीर्थयात्रा और त्यौहार → पृथ्वी पर सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम
4	नवरोज़	2016	पारसी नव वर्ष
5	योग	2016	मन, शरीर और आत्मा को एकजुट करने वाली प्राचीन भारतीय प्रथा
6	पंजाब के जंडियाला गुरु के ठठेरों में पीतल और ताँबे से बर्तन बनाने की पारंपरिक कला	2014	ठठेरा समुदाय की पीढ़ियों से चली आ रही मौखिक परंपरा
7	संकीर्तन	2013	गायन, ढोल और नृत्य के साथ कृष्ण की कथा का वाचन क्षेत्र → मणिपुर में
8	लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार	2012	लद्दाख के मठों में पवित्र बौद्ध पाठ
9	मुडीयेट	2010	देवी काली और राक्षस दारिका के बीच युद्ध का नृत्य क्षेत्र→ केरल
10	राजस्थान के कालबेलिया लोकगीत और नृत्य	2010	लयबद्धता के लिये जाना जाता है
11	छऊ नृत्य	2010	पूर्वी भारत की लोक परंपराओं का सम्मिश्रण करने वाला जनजातीय मार्शल आर्ट नृत्य
12	रम्माण	2009	गढ़वाल हिमालय का धार्मिक उत्सव और अनुष्ठान रंगमंच
13	रामलीला	2008	रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन
14	वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा	2008	वैदिक मंत्रों को सटीकता के साथ संरक्षित करने वाली मौखिक परंपरा
15	कूडियाट्टम, साँस्कृतिक रंगमंच	2008	प्राचीन रंगमंच→अनुष्ठान और नाट्यकला का सम्मिश्रण क्षेत्र→ केरल

भारत के ICH के ये सभी तत्व यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (MYUVA)' योजना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत गोरखपुर और बस्ती मंडल के 2500 लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया गया।

- साथ ही, ODOP (एक ज़िला एक उत्पाद) योजना के तहत 2100 प्रशिक्षणार्थियों को टूलकिट भी प्रदान किये गए।

मुख्य बिंदु:

MYUVA योजना के बारे में:

- इस योजना के तहत, **राज्य सरकार का लक्ष्य** प्रत्येक **वर्ष 5 लाख रुपए तक की परियोजनाओं** के लिये ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करके एक लाख युवा उद्यमियों को तैयार करना है।
  - सरकार ने इस पहल का समर्थन करने के लिये **वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 1,000 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं।
- इसे राज्य भर में शिक्षित और कुशल युवाओं को सशक्त बनाने, स्व-रोज़गार के अवसरों को सुविधाजनक बनाने तथा नए MSME (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय) की स्थापना को बढ़ावा देने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- जिन लाभार्थियों ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक ज़िला एक उत्पाद प्रशिक्षण और टूलकिट योजना, **अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना तथा उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन** में प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वे सहायता के लिये पात्र होंगे।
  - इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक संस्थानों से प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा और डिग्री वाले युवा भी इस योजना के तहत लाभ के हकदार होंगे।
- पहले ऋण के सफल पुनर्भुगतान पर, इकाइयाँ दूसरे चरण के वित्तपोषण के लिये पात्र होंगी, जहाँ प्रारंभिक राशि से दोगुना या 7.50 लाख रुपए तक का समग्र ऋण प्रदान किया जा सकता है।

एक ज़िला एक उत्पाद कार्यक्रम (ODOP)

- **परिचय:**
  - ODOP देश के प्रत्येक ज़िले के एक उत्पाद को बढ़ावा देने और ब्रांडिंग करके **ज़िला स्तर पर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की एक पहल** है।
  - इसे 24 जनवरी 2018 को उत्तर प्रदेश के पहले स्थापना दिवस पर शुरू किया गया था।
- **उद्देश्य:**
  - स्थानीय कला/कौशल का संरक्षण एवं विकास तथा रचनात्मकता को बढ़ावा देना।
  - **आय और स्थानीय रोज़गार में वृद्धि** (परिणामस्वरूप रोज़गार के **लिये प्रवासन** में कमी)।
  - उत्पाद की **गुणवत्ता और कौशल विकास** में सुधार।
  - उत्पादों को कलात्मक तरीके (पैकेजिंग, ब्रांडिंग के माध्यम से) से बदलना।
  - उत्पादन को पर्यटन से जोड़ना (लाइव डेमो और बिक्री आउटलेट - उपहार तथा स्मारिका)।
  - आर्थिक मतभेद और क्षेत्रीय असंतुलन के मुद्दों को हल करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

इंटीग्रेटेड सोलर मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट

चर्चा में क्यों ?

8 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में अवाडा समूह की 5 गीगावाट (GW) **एकीकृत सौर विनिर्माण इकाई** का शिलान्यास किया, साथ ही 1.5 गीगावाट **सौर मॉड्यूल विनिर्माण इकाई** का लोकार्पण किया।

- अवाडा ग्रुप एक प्रमुख भारतीय **हरित ऊर्जा** कंपनी है, जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है, जो सौर, पवन, पंप हाइड्रो और हरित ईंधन के माध्यम से **नवीकरणीय ऊर्जा** उत्पादन में कार्यरत है।

मुद्दे के बारे में:

- मुख्यमंत्री के अनुसार यह पहल न केवल **अक्षय ऊर्जा** में हमारे राज्य के योगदान को मज़बूत करती है बल्कि रोज़गार को भी बढ़ावा देती है और **1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था** के हमारे दृष्टिकोण का समर्थन करती है।
- **यह प्रयास वर्ष 2026-2027 तक उत्तर प्रदेश के सौर ऊर्जा उत्पादन को 22,000 मेगावाट** तक पहुँचाने के लक्ष्य में योगदान देता है।
- मुख्यमंत्री ने इसे **2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन** प्राप्त करने के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम बताया।

नवीकरणीय ऊर्जा

- **नवीकरणीय ऊर्जा** प्राकृतिक, पुन:पूर्ति योग्य स्रोतों जैसे **सौर, पवन, जल विद्युत, बायोमास, भू-तापीय** और **ज्वार** से प्राप्त ऊर्जा है।
  - ये **स्रोत सतत् और पर्यावरण** के अनुकूल हैं, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है।
- **प्रकार:**
  - **सौर ऊर्जा: सौर पैनलों** या सौर तापीय प्रणालियों का उपयोग करके सूर्य के विकिरण से प्राप्त की जाती है।
  - **पवन ऊर्जा:** **पवन टर्बाइनों द्वारा पवन की गतिज ऊर्जा** को विद्युत् में परिवर्तित करके उत्पन्न की जाती है।
  - **जलविद्युत:** प्रवाहित जल (नदियों, बाँधों, झरनों) की ऊर्जा का उपयोग करके उत्पादित।
  - **बायोमास ऊर्जा:** हीटिंग, विद्युत् और **जैव ईंधन के लिये पौधों के अवशेषों और पशु अपशिष्ट जैसे कार्बनिक पदार्थों** से निर्मित।
  - **भू-तापीय ऊर्जा:** विद्युत उत्पादन और प्रत्यक्ष तापन के लिये **पृथ्वी की आंतरिक ऊष्मा** (गर्म पानी, भाप) से प्राप्त।
  - **ज्वारीय एवं तरंग ऊर्जा:** विद्युत उत्पन्न करने के लिये **समुद्री जल** की गति (गुरुत्वाकर्षण खिंचाव या सतही तरंगें) का उपयोग करती है।
  - **कच्छ की खाड़ी** और **सुंदरवन** जैसे तटीय क्षेत्र ज्वारीय ऊर्जा की संभावनाएँ प्रदान करते हैं।

महापुरुषों पर नई योजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 10 नई महत्त्वाकांक्षी योजनाएँ महापुरुषों के नाम से शुरू करने की घोषणा की, ताकि उनके योगदान को चिरस्थायी बनाया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- इन योजनाओं के माध्यम से कृषि, उद्योग, शिक्षा और **सामाजिक कल्याण** के क्षेत्रों में विकास होगा। इसके अलावा, यह पहल रोज़गार सृजन, महिला सशक्तीकरण और बौद्धिक विकास को भी बढ़ावा देगी।
- **महत्त्वपूर्ण योजनाएँ**
- **माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय:** माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय बनाए जाएंगे, जिससे किसानों और श्रमिकों को सस्ती दर पर भोजन और विश्राम की सुविधा उपलब्ध होगी। इसी प्रकार, सरकार ने अयोध्या में भी शबरी के नाम पर एक भोजनालय स्थापित किया है।
- **सरदार पटेल के नाम पर जनपदीय आर्थिक क्षेत्र:** प्रत्येक परिवार से कम-से-कम एक व्यक्ति को रोज़गार से जोड़ने के उद्देश्य से जनपदीय **आर्थिक क्षेत्र** को रोज़गार जोन के रूप में विकसित किया जाएगा।
  - प्रत्येक ज़िले की विशेषताओं और संभावनाओं के आधार पर 100 एकड़ भूमि में इसे **PPP मॉडल के आधार** पर विकसित किया जाएगा। यह पहल देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल को समर्पित होगी।
- **माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिला हॉस्टल:** कामकाज़ी महिलाओं के लिये वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झाँसी और आगरा में वर्किंग वुमेन हॉस्टल स्थापित किये जाएंगे।
  - सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अग्रदूत **अहिल्याबाई होल्कर** के 300वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में यह हॉस्टल उनके नाम पर समर्पित किये जाएंगे।
- **महारानी लक्ष्मीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना:** भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर मेधावी छात्राओं को स्कूटी प्रदान करने की योजना लागू की गई है।
- **संत कबीरदास के नाम पर सीएम मित्र पार्क योजना:** मानवता और श्रम के महत्त्व को प्रचारित करने वाले संत कबीरदास के नाम पर प्रदेश में 10 टेक्सटाइल पार्क स्थापित किये जाएंगे।
  - लखनऊ-हरदोई में निर्माणाधीन पीएम मित्र पार्क को भी संत कबीर को समर्पित किया गया है।
- **संत रविदास के नाम पर चर्मोद्योग पार्क:** समाज में समानता और श्रम की प्रतिष्ठा को बढ़ावा देने वाले संत रविदास के नाम पर प्रदेश में दो लेदर पार्क विकसित किये जाएंगे। इनमें से एक लेदर पार्क आगरा में स्थापित होगा।
  - यह योजना चर्म उद्योग को एक नई दिशा देने के साथ-साथ हज़ारों कारीगरों और श्रमिकों के लिये रोज़गार के अवसर प्रदान करेगी।
- **भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर लखनऊ में सीड पार्क:** पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न **चौधरी चरण सिंह** के नाम पर **लखनऊ में सीड पार्क** की स्थापना की जाएगी।
  - इस पहल का उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज और कृषि से संबंधित संसाधन प्रदान करना है।
- **नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर:** भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशताब्दी वर्ष को चिह्नित करते हुए प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय स्थापित करने के लिये बजटीय प्रावधान किया गया है।
- **भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर छात्रावास:** समाज कल्याण छात्रावासों के पुनर्निर्माण और नव निर्माण की योजना डॉ. भीमराव आंबेडकर को समर्पित की गई है।
  - इस पहल से **दलित,** पिछड़े और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के छात्रों को शिक्षा में सहायता प्राप्त होगी।
- **बिरसा मुंडा को समर्पित दो जनजातीय संग्रहालय:** बिरसा मुंडा के 150वें जन्मवर्ष को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाने के उद्देश्य से मिर्ज़ापुर और सोनभद्र में **दो जनजातीय संग्रहालय** स्थापित किये जाएंगे। इस परियोजना के लिये बजट में आवश्यक धनराशि का प्रावधान किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

महिला तायक्वांडो चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के लखनऊ में खेलो इंडिया **महिला तायक्वांडो चैंपियनशिप** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **चैंपियनशिप के बारे में:**
  - **आयोजन:**
    - इस चैंपियनशिप का आयोजन **केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय,** खेलो इंडिया, **भारतीय खेल प्राधिकरण, ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया** तथा **उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन** द्वारा किया गया।
    - इस चैंपियनशिप में विभिन्न भार वर्गों में सीनियर श्रेणी की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इस चैंपियनशिप में विभिन्न भार वर्गों में सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीते।
- **मुख्य पदक विजेता**
    - लखनऊ – 4 स्वर्ण, 4 रजत, 6 कांस्य
    - आगरा – 4 स्वर्ण, 1 रजत
    - मथुरा, फर्रुखाबाद – 1-1 स्वर्ण सहित अन्य पदक

तायक्वोंडो

- **परिचय:**
  - तायक्वोंडो एक कोरियाई मार्शल आर्ट है, जिसमें **पंचिंग और किकिंग तकनीकों** की विशेषता होती है।
  - इसमें सिर की ऊँचाई वाली किक, स्पिनिंग जंप किक और फास्ट किकिंग तकनीकों पर ज़ोर दिया जाता है।
  - यह केवल शारीरिक कौशल ही नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति को भी विकसित करता है।
- **इतिहास:**
  - तायक्वोंडो की जड़ें **कोरिया के थ्री-किंगडम युग (सी. 50 ईसा पूर्व)** से जुड़ी हुई हैं।
  - सिला राजवंश के योद्धाओं **हवारंग** ने **ताइक्योन ("पैर-हाथ")** नामक मार्शल आर्ट विकसित किया।
  - 20वीं सदी की शुरुआत में, यह कोरिया में प्रमुख मार्शल आर्ट बन गया।
  - **1973 में वर्ल्ड ताइक्वांडो फेडरेशन (WTF)** की स्थापना हुई।

COAIEMA सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

8 मार्च, 2025 को लखनऊ में 8वें अंतर्राष्ट्रीय **COAIEMA (Council of Asian Industry and Emerging Market Alliances)** सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - यह सम्मेलन लखनऊ स्थित **अंबालिका इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी** में आयोजित किया गया था।
  - इसमें उद्योगों के बीच सहयोग को सशक्त करने और सतत विकास को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।
  - विभिन्न देशों के प्रतिनिधि, नीति-निर्माता और उद्योग विशेषज्ञ इस सम्मेलन में भागीदार बने।
  - इसका मुख्य उद्देश्य एशियाई देशों के उद्योगों और नवाचार क्षेत्र को प्रगति और सशक्तीकरण की दिशा में प्रोत्साहित करना था।
- **चर्चा के विषय:**
  - **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में चुनौतियाँ और अवसर: इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन अनुप्रयोग**
  - स्टार्टअप इकोसिस्टम
  - नवीनतम तकनीकी विकास
  - डिजिटल परिवर्तन और हरित ऊर्जा
- **COAIEMA के बारे में:**
  - यह एक प्रमुख क्षेत्रीय संगठन है, जो एशियाई देशों के उद्योगों और उभरते बाज़ारों के बीच सहयोग को मज़बूती प्रदान करने के लिये कार्य करता है।
  - **इसके मुख्य उद्देश्य हैं:**
- नवाचार को बढ़ावा देना।
- **हरित प्रौद्योगिकी** को अपनाने की प्रक्रिया में तेज़ी लाना।
- उद्योगों के डिजिटलीकरण की दिशा में त्वरित कदम उठाना।
- एशियाई देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को सशक्त बनाना।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

- **परिचय:**
  - AI को **मशीनों** और प्रणालियों का **ज्ञान प्राप्त करने**, **इसे लागू करने** और **बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार करने की क्षमता** के रूप में परिभाषित किया गया है।
    - "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" शब्द का सर्वप्रथम उपयोग अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और संज्ञानात्मक वैज्ञानिक **जॉन मैककार्थी** ने किया था। उन्हें AI का जनक माना जाता है।
  - इसमें **मशीन लर्निंग**, **डीप लर्निंग**, **बिग डेटा**, **न्यूरल नेटवर्क**, **कंप्यूटर विज़न**, **लार्ज लैंग्वेज मॉडल** आदि तकनीकें शामिल हैं।
  - कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता ऐसे कार्य करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने की क्षमता है जिनमें किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे अच्छी संभावना होती है।

ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन

चर्चा में क्यों?

5 मार्च, 2025 को सर्वोच्च न्यायालय ने **ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन (TTZ) प्राधिकरण** को इस क्षेत्र में वृक्षों की गणना करने के लिये **वन अनुसंधान संस्थान (FRI)** को नियुक्त करने का निर्देश दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय
- न्यायालय के अनुसार, किसी भी अवैध कटाई को रोकने के लिये क्षेत्र में विद्यमान वृक्षों की गणना आवश्यक है।
- न्यायालय नए निर्देश दिया कि **उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम,** 1976 का उद्देश्य वृक्षों की गणना करना तथा उनकी सुरक्षा करना है।
  - वृक्ष गणना के बिना इस अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो सकता है।
- न्यायालय ने कृषि वानिकी के लिये भी वृक्षों की कटाई करने की अनुमति लेने की आवश्यकता को भी बरकरार रखा है।
  - वर्ष 2015 के अपने निर्णय में न्यायालय ने यह निर्णय दिया था कि कृषि वानिकी के लिये 1976 के अधिनियम के प्रावधान लागू रहेंगे, जिसका अर्थ है कि किसी भी वृक्ष को काटने से पहले आवश्यक अनुमति लेनी होगी।
- ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन के बारे में:
  - TTZ ताजमहल को प्रदूषण से बचाने के लिये उसके चारों ओर 10,400 वर्ग किलोमीटर का निर्धारित क्षेत्र है।
  - इसका यह नाम इसलिये रखा गया है क्योंकि यह ताजमहल के चारों ओर स्थित है और इसका आकार समलम्ब चतुर्भुज जैसा है।
  - इसमें तीन विश्व धरोहर स्थल **ताजमहल, आगरा किला** और **फतेहपुर सीकरी** सहित कई स्मारक शामिल हैं।
  - इसमें उत्तर प्रदेश के आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, हाथरस एवं एटा ज़िले तथा राजस्थान का भरतपुर ज़िला शामिल है।
  - इस क्षेत्र में उद्योगों की श्रेणी के चार ज़ोन में बाँटा गया हैं जिन्हें लाल, हरा, नारंगी एवं सफेद वर्ग में रखा गया है।
  - इस ज़ोन में केवल पर्यावरण अनुकूल, गैर-प्रदूषणकारी छोटे, लघु एवं सूक्ष्म स्तरीय उद्योगों को ही संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है।

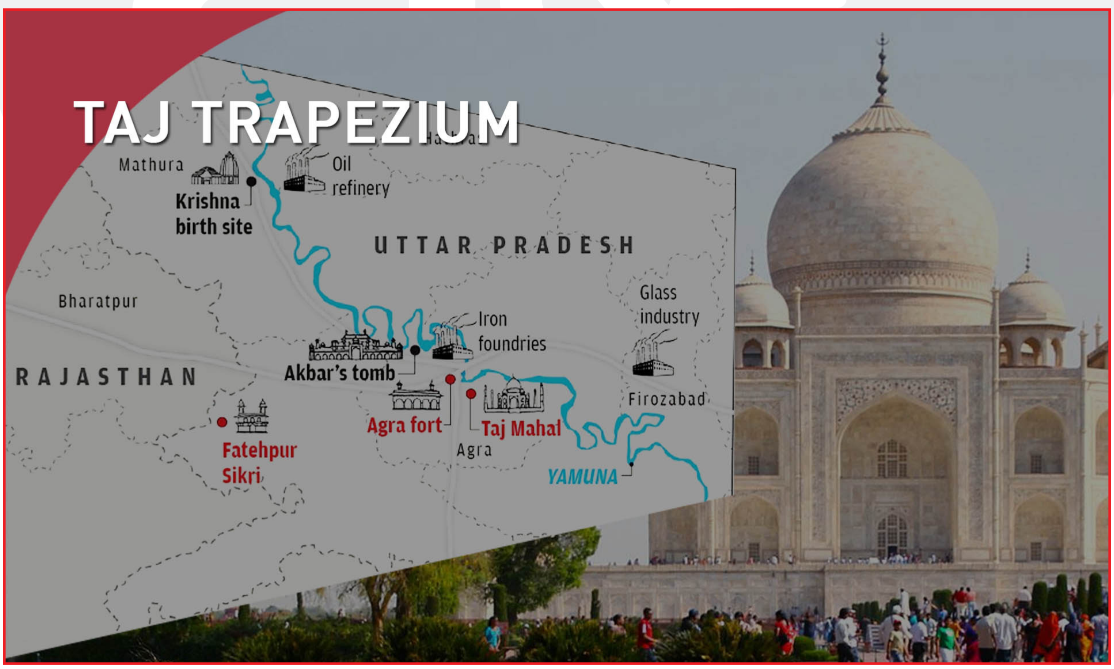

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

वन अनुसंधान संस्थान (FRI)

- FRI उत्तराखंड के देहरादून में स्थित है। इस संस्थान की शुरुआत वर्ष 1878 में फ़ॉरेस्ट स्कूल के रूप में हुई थी।
- वर्ष 1906 में, इसे ब्रिटिश इंपीरियल फ़ॉरेस्ट्री सर्विस के तहत **इंपीरियल फ़ॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट** के रूप में पुनर्स्थापित किया गया। बाद में इसका नाम बदलकर **वन अनुसंधान संस्थान एवं कॉलेज** कर दिया गया।
- इसके देशभर में कई केंद्र हैं, जो अनुसंधान के साथ-साथ वन अधिकारियों और वन रेंजरों को प्रशिक्षण भी देते हैं।
- वर्ष 1988 में देश में **वानिकी अनुसंधान** के पुनर्गठन और **भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE)** के निर्माण के बाद प्रशिक्षण व अनुसंधान केंद्रों को स्वतंत्र संस्थानों का दर्जा प्रदान कर दिया गया।
- वन अनुसंधान संस्थान वर्तमान में ICFRE के अंतर्गत आता है जिसे दिसंबर 1991 में डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है।

स्वावलंबिनी

चर्चा में क्यों?

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) ने नीति आयोग के सहयोग से मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में महिला उद्यमिता कार्यक्रम **स्वावलंबिनी** की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - यह एक महिला **उद्यमिता कार्यक्रम** है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को **उद्यमशील मानसिकता** विकसित करने, आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने और **व्यावसायिक सफलता** के लिये मार्गदर्शन प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है।
- **कार्यक्रम संरचना:**
  - **MSDE ने उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (EAP), महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP), फैकल्टी विकास कार्यक्रम (FDP)** एवं वित्तपोषण सहित एक **चरण-वार उद्यमशीलता प्रक्रिया** की शुरूआत की है।
  - इसके तहत सफल उद्यमों को **मान्यता देना एवं पुरस्कृत** करना शामिल है जिससे अन्य को प्रेरणा मिलने के साथ भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिये एक स्पष्ट ढाँचा स्थापित होगा।
  - उच्च शिक्षा संस्थानों में **उद्यमशीलता की संस्कृति को मज़बूत करना, महिलाओं के लिये व्यवसाय सृजन को एक व्यवहार्य करिअर मार्ग बनाना।** भारत के आर्थिक परिवर्तन के प्रमुख चालक के रूप में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को बढ़ावा देना।

स्वावलंबिनी राष्ट्रीय नीतियों के साथ संरेखित

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 : कौशल एकीकरण, उद्योग** सहयोग और उद्यमिता-संचालित शिक्षा को बढ़ावा देती है।
- यह महिला उद्यमियों के लिये **वित्तीय और परामर्श सहायता** सुनिश्चित करके इस पर काम करती है।
- यह **स्टैंड-अप इंडिया, PM मुद्रा योजना** और **महिला उद्यमिता मंच** जैसी पहलों को मज़बूत करती है।
- स्वावलंबिनी **केंद्रीय बजट 2025** के अनुरूप है, जिसमें **10,000 करोड़ रुपए के स्टार्ट-अप फंड** की शुरुआत की गई है और **पहले पाँच वर्षों के लिये स्टार्ट-अप लाभांश पर 100% कर छूट** दी गई है, जिससे उभरते महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों के लिये महत्त्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत में महिला उद्यमिता परिदृश्य

- **भारत में कुल MSME:** 63 मिलियन से अधिक, **महिला स्वामित्व वाले MSME** 20% (12.39 मिलियन)।
- **रोजगार योगदान:** महिलाओं के नेतृत्व वाले MSME 22-27 मिलियन लोगों को रोज़गार प्रदान करते हैं।
- **महिला उद्यमिता में भारत का स्थान: महिला उद्यमिता पर मास्टरकार्ड सूचकांक (MIWE) 2021** में भारत वर्तमान में 65 देशों में से 57 वें स्थान पर है।
    - वैश्विक उद्यमिता एवं विकास संस्थान के अनुसार, **वैश्विक महिला उद्यमिता सूचकांक (FEI)** में भारत का स्थान **77 देशों में 70वाँ** है।
- **महिला-नेतृत्व वाले MSME में सर्वाधिक भागीदारी वाले शीर्ष राज्य: पश्चिम बंगाल** (23.42%), **तमिलनाडु** (10.37%), **तेलंगाना** (7.85%), **कर्नाटक** (7.56%) और **आंध्र प्रदेश** (6.76%)।

वाराणसी में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क

हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (NHLML) और **भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI)** के बीच **वाराणसी में अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (MMLP)** विकसित करने हेतु **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये गए।

मुख्य बिंदु

- **MMLP के बारे में :**
    - **उद्देश्य:**
        - इसका उद्देश्य सड़क, रेल व जल मार्गों से निर्बाध माल ढुलाई, कम लागत और व्यापारिक दक्षता को बढ़ाकर आपूर्ति शृंखला को मज़बूत करना है।
- **महत्त्व और प्रभाव:**
    - **150 एकड़ में फैले इस पार्क का NH7 और पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारे (EDFC) से सीधा जुड़ाव होगा**, जिससे माल परिवहन सुगम और वहनीय होगा।
    - **राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (NW-1) से संपर्क होने के कारण जलमार्ग के माध्यम से भी माल परिवहन की सुविधा** मिलेगी, जिससे **परिवहन लागत में कमी** आएगी।
    - इस लॉजिस्टिक्स पार्क के निर्माण से **महत्त्वपूर्ण निवेश आकर्षित होगा**, जिससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।
    - **स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारियों, उद्योगों और MSMEs को लाभ होगा**, जिससे **उत्पादन और निर्यात में वृद्धि** होगी।
    - इस परियोजना से **स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे।**
    - **लॉजिस्टिक्स क्षेत्र का आधुनिकीकरण होगा**, जिससे भविष्य में अन्य शहरों में भी ऐसे केंद्र विकसित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।
    - यह **"गति शक्ति" योजना** और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के तहत एक मॉडल की तरह कार्य करेगा, जिससे अन्य राज्यों में भी ऐसी परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI):

- IWAI, **जहाज़रानी मंत्रालय** (Ministry of Shipping) के अधीन **एक सांविधिक निकाय** है।
- यह जहाज़रानी मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के माध्यम से राष्ट्रीय जलमार्गों पर अंतर्देशीय जल परिवहन अवसंरचना के विकास और अनुरक्षण का कार्य करता है।
- प्राधिकरण का **मुख्यालय नोएडा** (उत्तर-प्रदेश) में **क्षेत्रीय कार्यालय पटना, कोलकाता, गुवाहाटी और कोची** में तथा उप-कार्यालय प्रयागराज, वाराणसी, भागलपुर, रक्का और कोल्लम में हैं।

प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना

- **उद्देश्य:** ज़मीनी स्तर पर काम में तेज़ी लाना, लागत में कमी करना और रोज़गार सृजित करने पर ध्यान देने के साथ-साथ आगामी चार वर्षों में बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं की एकीकृत योजना और कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है।
  - गति शक्ति योजना के तहत वर्ष 2019 में शुरू की गई 110 लाख करोड़ रुपए की '**राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन**' को समाहित किया गया है।
  - लॉजिस्टिक्स लागत में कटौती के अलावा इस योजना का उद्देश्य कार्गो हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना और व्यापार को बढ़ावा देने हेतु बंदरगाहों पर टर्नअराउंड समय को कम करना है।
  - इसका लक्ष्य 11 **औद्योगिक गलियारे** और दो नए **रक्षा गलियारे** (एक तमिलनाडु में और दूसरा उत्तर प्रदेश में) बनाना भी है। इसके तहत सभी गाँवों में 4G कनेक्टिविटी का विस्तार किया जाएगा। साथ ही गैस पाइपलाइन नेटवर्क में 17,000 किलोमीटर की क्षमता जोड़ने की योजना बनाई जा रही है।
- **एकीकृत दृष्टिकोण:** यह बुनियादी अवसंरचना से संबंधित 16 मंत्रालयों को एक साथ लाने पर ज़ोर देता है।
- **गति शक्ति डिजिटल प्लेटफॉर्म:** इसमें एक अंब्रेला प्लेटफॉर्म का निर्माण शामिल है, जिसके माध्यम से विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के बीच वास्तविक समय पर समन्वय के माध्यम से बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं का निर्माण कर उन्हें प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकता है।

RISE ऐप

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने बच्चों के नियमित **टीकाकरण** को सुनिश्चित करने के लिये **RISE एप (Rapid Immunization Skill Enhancement - RISE)** को लागू किया।

मुख्य बिंदु

- **RISE एप के बारे में:**
  - RISE (Responsive Immunization Support for Everyone) एक **डिजिटल प्रशिक्षण और निगरानी प्लेटफॉर्म** है, जिसे **टीकाकरण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन** के लिये विकसित किया गया है। यह एप **रीयल-टाइम अपडेट** प्रदान करता है, जिससे स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं को **टीकाकरण शेड्यूल, सुरक्षा प्रोटोकॉल, कोल्ड चेन प्रबंधन** और **टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभावों की निगरानी** में सहायता मिलती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- RISE एप भारत सरकार के **मिशन इन्द्रधनुष** को **सशक्त बनाने** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह **डिजिटल प्लेटफॉर्म** स्टाफ नर्सों, सहायक नर्स मिडवाइफ (ANM) और स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के लिये विकसित किया गया है, ताकि वे बच्चों के **नियमित टीकाकरण** की **सटीक निगरानी** और **प्रभावी प्रबंधन** कर सकें।

- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का लक्ष्य **टीकाकरण कवरेज में वृद्धि, हिचकिचाहट वाले परिवारों की पहचान** और **समुचित टीकाकरण सुनिश्चित करना** है। यह एप **पारंपरिक प्रशिक्षण पद्धतियों** को **डिजिटल शिक्षण प्रणाली** से प्रतिस्थापित कर, **टीकाकरण की सुरक्षा और प्रभावशीलता** को और अधिक सुदृढ़ करेगा।
- **प्रशिक्षण और क्रियान्वयन प्रक्रिया:**
  - स्वास्थ्यकर्मियों के **प्रशिक्षण** की प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न की जा रही है:
    - प्रदेश के सभी **75 ज़िलों** में ज़िला-स्तरीय अधिकारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है।
    - वर्तमान में **ब्लॉक-स्तरीय अधिकारियों** का प्रशिक्षण जारी है, जिससे कार्यक्रम का **ज़मीनी स्तर** पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।
    - योजना के पूर्ण कार्यान्वयन के पश्चात लगभग **52,175 टीकाकरण कर्मियों** को **डिजिटल उपकरणों** से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता और डाटा प्रबंधन की दक्षता में वृद्धि होगी।

मिशन इन्द्रधनुष

- भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 25 दिसंबर 2014 को 'मिशन इन्द्रधनुष' की शुरुआत की थी।
- मिशन इन्द्रधनुष एक बूस्टर टीकाकरण कार्यक्रम है, जो कम टीकाकरण कवरेज वाले 201 ज़िलों में शुरू हुआ था।
  - यह यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किये गए 7 रोगों के खिलाफ 7 टीकों का प्रतिनिधित्व करता है। ये रोग हैं-
    - तपेदिक (Tuberculosis), पोलियोमाइलाइटिस (Poliomyelitis), हेपेटाइटिस बी (Hepatitis B), डिप्थीरिया (Diphtheria), पर्टुसिस (Pertussis), **टेटनस (Tetanus)** और खसरा (Measles)
  - इसके अलावा खसरा रूबेला (Measles Rubella), रोटावायरस (Rb rotavirus), हिमोफिलस इन्फ्लूएंजा टाइप-बी (Haemophilus Influenzae Type-B) और पोलियो (Polio) के खिलाफ टीकों को शामिल करने के बाद इन टीकों की संख्या 12 हो गई है।
  - कुछ चुने गए राज्यों और ज़िलों में, जापानी एन्सेफलाइटिस (Japanese Encephalitis) और न्यूमोकोकस (Pneumococcus) के खिलाफ भी टीके दिये गए हैं।
- पूर्ण टीकाकरण कवरेज में गति देने के लिये भारत ने एक महत्त्वाकांक्षी योजना - तीव्र मिशन इन्द्रधनुष (Intensified Mission Indradhanush) की शुरुआत की है।

स्वतंत्रता सेनानी चित्तू पांडे का स्मारक

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने बलिया जिले में स्वतंत्रता सेनानी **चित्तू पांडेय** के सम्मान में स्मारक बनाने की घोषणा की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **चित्तू पांडेय के बारे में:**
  - वह एक **महान स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी** थे, जिन्होंने 1942 **के** भारत छोड़ो आंदोलन में **अहम भूमिका** निभाई थी।
  - उनकी वीरता और नेतृत्व क्षमता के कारण उन्हें **"बलिया के शेर"** के नाम से जाना जाता है।
- **जन्म:**
  - चित्तू पांडेय का जन्म **10 मई 1895** को उत्तर प्रदेश के **बलिया ज़िले के रत्तूचक गाँव** में हुआ था।
- **स्वतंत्र सरकार की स्थापना**
  - **19 अगस्त** 1942 को चित्तू पांडेय के नेतृत्व में बलिया के क्रांतिकारियों ने **ब्रिटिश अधिकारियों को बाहर कर बलिया को स्वतंत्र घोषित कर दिया** और एक **अस्थायी राष्ट्रीय सरकार (Interim Government) बनाई**, जिसमें वे **अंतरिम प्रशासक (प्रधान)** बने।
  - इस सरकार ने कलेक्टर को सत्ता सौंपने और सभी गिरफ्तार कॉन्ग्रेस नेताओं को रिहा करने में सफलता प्राप्त की।
  - हालाँकि, कुछ ही दिनों बाद **ब्रिटिश सेना ने बलिया पर फिर से कब्ज़ा कर लिया** और चित्तू पांडेय सहित अन्य क्रांतिकारियों को **गिरफ्तार कर लिया**।
- **निधन**
  - स्वतंत्रता से एक वर्ष पहले, **6 दिसंबर** 1946 को इनका निधन हो गया।

चित्तू पांडेय की जीवन यात्रा

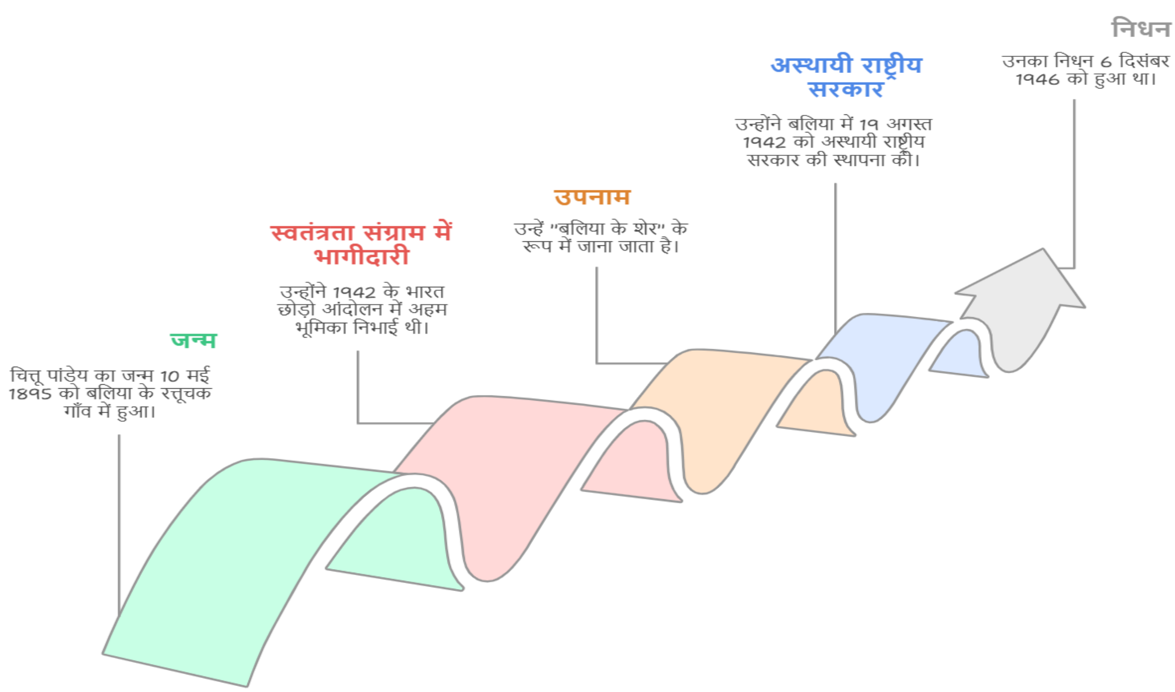

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत छोड़ो आंदोलन

- **परिचय:**
  - 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया और मुंबई में अखिल भारतीय कॉन्ग्रेस कमेटी के सत्र में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया।
  - गांधीजी ने ग्वालिया टैंक मैदान में अपने भाषण में "करो या मरो" का आह्वान किया, जिसे अब **अगस्त क्रांति** मैदान के नाम से जाना जाता है।
  - स्वतंत्रता आंदोलन की '**ग्रैंड ओल्ड लेडी**' के रूप में लोकप्रिय अरुणा आसफ अली को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान **मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में** भारतीय ध्वज फहराने के लिये जाना जाता है।
  - '**भारत छोड़ो**' का नारा एक समाजवादी और **ट्रेड यूनियनवादी यूसुफ मेहरली** द्वारा गढ़ा गया था, जिन्होंने मुंबई के मेयर के रूप में भी काम किया था।
- **आंदोलन के कारण**
  - आंदोलन का **तात्कालिक कारण** क्रिप्स मिशन का पतन था।
  - **द्वितीय विश्व युद्ध में भारत से अंग्रेज़ों को बिना शर्त समर्थन** की ब्रिटिश धारणा भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस द्वारा स्वीकार नहीं की गई थी।
  - ब्रिटिश विरोधी भावनाओं और पूर्ण स्वतंत्रता की मांग ने भारतीय जनता के बीच लोकप्रियता हासिल की थी।
  - **आवश्यक वस्तुओं की कमी:** द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी।
- **आंदोलन की सफलता**
  - **भविष्य के नेताओं का उदय:**
    - राम मनोहर लोहिया, जेपी नारायण, **अरुणा आसफ अली, बीजू पटनायक,** सुचेता कृपलानी आदि नेताओं ने भूमिगत गतिविधियों को अंजाम दिया जो बाद में प्रमुख नेताओं के रूप में उभरे।
  - **महिलाओं की भागीदारी:**
    - आंदोलन में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उषा मेहता जैसी महिला नेताओं ने एक **भूमिगत रेडियो स्टेशन** स्थापित करने में मदद की जिससे आंदोलन के बारे में जागरूकता पैदा हुई।
  - **राष्ट्रवाद का उदय:**
    - भारत छोड़ो आंदोलन के कारण देश में एकता और भाईचारे की एक विशिष्ट भावना उत्पन्न हुई। कई छात्रों ने स्कूल-कॉलेज छोड़ दिये और लोगों ने अपनी नौकरी छोड़ दी।

महर्षि दधीचि कुंड

चर्चा में क्यों?

10 मार्च, 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार ने **महर्षि दधीचि कुंड** को राजकीय पर्यटन केंद्र बनाने की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **दधीचि कुंड के बारे में:**
  - दधीचि कुंड **नैमिषारण्य** से लगभग 12 किलोमीटर दूर मिश्रिख क्षेत्र में स्थित है।
  - ऐसी मान्यता है कि संसार के सभी तीर्थों का जल इस कुंड में मिश्रित होता है, इसीलिये इस क्षेत्र का नाम मिश्रिख पड़ा।
  - यह स्थान महर्षि दधीचि से जुड़ा है, जिन्होंने अपनी अस्थियाँ दान कर **वृत्रासुर के वध** हेतु देवताओं को वज्र प्रदान किया था।
  - दधीचि कुंड लगभग **2 एकड़ भूमि** में फैला हुआ है। इसके समीप महर्षि दधीचि का भव्य मंदिर स्थित है, जिसमें उनकी विभिन्न मुद्राओं में प्रतिमाएँ स्थापित हैं। मंदिर की वास्तुकला और इसके चारों ओर का वातावरण इसे एक **शांत और आध्यात्मिक केंद्र** बनाता है।

- **महर्षि दधीचि**
  - वह एक महान तपस्वी, वेद-शास्त्रों के ज्ञाता एवं परोपकारी ऋषि थे।
  - माना जाता है कि वे **ऋषि अथर्वा** और माता **शांति** के पुत्र थे।
  - उन्होंने संपूर्ण जीवन शिव भक्ति और लोककल्याण में व्यतीत किया।
  - जब असुर **वृत्रासुर** के संहार के लिये देवताओं को उनके **अस्थि-वज्र** की आवश्यकता हुई, तो उन्होंने **योगबल से अपना शरीर त्याग दिया**।
- **नैमिषारण्य**
  - उत्तर प्रदेश के **सीतापुर ज़िले** में स्थित एक प्राचीन तीर्थ स्थल है।
  - यह स्थान गोमती नदी के किनारे स्थित है और इसे ऋषियों की **तपोभूमि** कहा जाता है।
  - धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, **88 हजार ऋषियों** ने यहाँ तपस्या की थी, जिसके कारण इसे हिंदू धर्म में पवित्र स्थल माना जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

रडार अनुबंध

चर्चा में क्यों ?

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिये **परिवहन योग्य रडार 'अश्विनी'** की खरीद हेतु उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद में स्थित **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)** के साथ **2,906 करोड़ रुपए** के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये।

मुख्य बिंदु

- **अश्विनी रडार के बारे में:**
  - **लो-लेवल ट्रांसपोर्टेबल रडार-LLTR' (अश्विनी)** एक **सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किया गया चरणबद्ध ऐरे रडार** है।
  - इसका उपयोग **उच्च गति वाले लड़ाकू विमानों, मानव रहित हवाई वाहनों (UAV) और हेलीकॉप्टरों** जैसे धीमी गति वाले लक्ष्यों की निगरानी के लिये किया जाता है।
  - यह रडार **अत्याधुनिक ठोस अवस्था प्रौद्योगिकी** पर आधारित है।
  - इसे **इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास प्रतिष्ठान (LRDE) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)** द्वारा स्वदेशी रूप से डिज़ाइन व विकसित किया गया है।
- **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)**
  - यह भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU) है।
  - इसकी स्थापना वर्ष 1954 में राष्ट्र की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु की गई थी।
  - यह संगठन **रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स** और **पेशेवर इलेक्ट्रॉनिक्स** के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत है, जिससे भारतीय रक्षा बलों को आधुनिक तकनीकी सहायता प्राप्त होती है।
  - **उत्पादन इकाइयाँ**
    - BE की अनके उत्पादन इकाइयाँ हैं, जिनमें **बंगलूरू** (मुख्य कार्यालय), **गाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश), पंचकुला (हरियाणा), कोटद्वार (उत्तराखंड), हैदराबाद** और **मछलीपत्तनम (आंध्र प्रदेश), नवी मुंबई** तथा **पुणे (महाराष्ट्र)**, एवं **चेन्नई (तमिलनाडु)** शामिल हैं।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)

- **परिचय:**
  - DRDO **रक्षा मंत्रालय** की **अनुसंधान एवं विकास शाखा है** जिसका उद्देश्य भारत को अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों में सशक्त बनाना है।
  - **आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयास** तथा **अग्नि और पृथ्वी मिसाइल श्रृंखला, हल्के लड़ाकू विमान तेजस, मल्टी बैरल रॉकेट लांचर, पिनाका, वायु रक्षा प्रणाली आकाश, रडारों की एक विस्तृत श्रृंखला और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली आदि** जैसी सामरिक प्रणालियों एवं प्लेटफॉर्मों के सफल स्वदेशी विकास एवं उत्पादन से भारत की सैन्य शक्ति में वृद्धि हुई है।
- **गठन:**
  - इसका गठन वर्ष 1958 में भारतीय सेना के **तकनीकी विकास प्रतिष्ठान (TDEs) और तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय (DTDP)** तथा **रक्षा विज्ञान संगठन (DSO)** के एकीकरण से हुआ था।
  - DRDO, 50 से अधिक प्रयोगशालाओं का एक नेटवर्क है जो विभिन्न विषयों जैसे **वैमानिकी, आयुध, इलेक्ट्रॉनिक्स, लड़ाकू वाहन, इंजीनियरिंग प्रणाली** आदि को कवर करते हुए रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास में गहनता के साथ संलग्न है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के लिये स्थायी ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण उपायों की जरूरत पर ज़ोर दिया।

मुख्य बिंदु

- **महत्त्वपूर्ण निर्देश**
  - मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों में ध्वनि स्तर को तय मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश दिये।
  - साथ ही उन्होंने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को लेकर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये।
- **हाईकोर्ट का निर्णय**
  - पूर्व में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी **धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों के उपयोग** को लेकर एक महत्त्वपूर्ण निर्णय दिया है।
    - न्यायालय ने स्पष्ट किया कि **प्रार्थना के लिये लाउडस्पीकर का उपयोग कोई कानूनी अधिकार नहीं** है, क्योंकि इससे अन्य लोगों को असुविधा हो सकती है। अत: **लाउडस्पीकर का प्रयोग अधिकार की श्रेणी में नहीं आता**।
- **ध्वनि प्रदूषण**
  - किसी भी प्रकार की **असहज या अत्यधिक तेज़ आवाज़** को ध्वनि प्रदूषण कहा जाता है।
  - यह अनियमित कंपन वाला शोर होता है, जो **सुनने में अप्रिय** लगता है।
  - ध्वनि की तीव्रता को **डेसिबल (dB)** में मापा जाता है और इसके स्तरों को निर्धारित करने के लिये एक **डेसिबल पैमाना** प्रयोग किया जाता है।
  - 20 dB तक की ध्वनि तीव्रता को **फुसफुसाहट** के समान माना जाता है।
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, **70 dB से कम की ध्वनि** तीव्रता जीवित प्राणियों के लिये हानिकारक नहीं होती, भले ही वह कितनी भी लंबी अवधि तक बनी रहे।
    - हालाँकि, यदि कोई व्यक्ति **85 dB से अधिक के शोर के संपर्क में** लगातार 8 घंटे से अधिक समय तक रहता है, तो यह स्वास्थ्य के लिये जोखिमपूर्ण हो सकता है।
  - ध्वनि प्रदूषण के मुख्य स्रोतों में **तेज़ संगीत, परिवहन, निर्माण कार्य** आदि शामिल हैं, जो मानव जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।
    - इसके दुष्प्रभावों में उच्च रक्तचाप, **श्रवण विकलांगता, नींद संबंधी विकार** और **हृदय रोग** शामिल हैं।

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (PTR) नेपाल से आने वाले गैंडों के लिये एक **नया** अभयारण्य बनने की ओर अग्रसर है, जहाँ उनके लिये स्थायी आवास स्थापित करने के प्रयास तेज़ी से चल रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व का **लग्गा-भग्गा** क्षेत्र नेपाल की **शुक्लाफांटा सेंचुरी** से सटा हुआ है, जिसके कारण नेपाली गैंडे अक्सर यहाँ आवाजाही करते रहते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस क्षेत्र में घास के समृद्ध मैदान, **पर्याप्त जल स्रोत** और **निर्बाध वन्यजीव गलियारे** मौजूद हैं, जो इसे गैंडों की **स्थिर आबादी** के लिये एक आदर्श वातावरण बनाते हैं।
    - 'प्रोजेक्ट राइनो' के तहत **असम और नेपाल से गैंडों का स्थानांतरण** किया जाएगा।
- **महत्त्व और लाभ**
    - यह परियोजना **गैंडों की घटती आबादी** को संरक्षित करने के साथ-साथ **वन्यजीव** पारिस्थितिकी तंत्र **को सशक्त** बनाएगी।
    - **पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा**, जिससे स्थानीय समुदायों की **आर्थिक स्थिति में सुधार** होगा।
    - **सुरक्षित और सीमांकित क्षेत्र** होने से गैंडों के **कृषि भूमि में भटकने की समस्या कम** होगी, जिससे किसानों और वन्यजीवों के बीच संघर्ष को रोका जा सकेगा।
- **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व:**
    - यह उत्तर प्रदेश के **पीलीभीत और शाहजहाँपुर** ज़िले में स्थित है। इसे वर्ष 2014 में टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित किया गया था।
        - वर्ष 2020 में, इसने पिछले चार वर्षों में बाघों की संख्या दोगुनी करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार TX2 जीता।
    - यह ऊपरी गंगा के मैदान में तराई आर्क परिदृश्य का हिस्सा है।
    - गोमती नदी इस रिज़र्व से निकलती है, जो **शारदा, चूका और माला खन्नोट** जैसी कई अन्य नदियों का जलग्रहण क्षेत्र भी है।
    - यह असंख्य जंगली जानवरों का घर है, जिनमें लुप्तप्राय बाघ, **दलदल हिरण, बंगाल फ्लोरिकन, हॉग हिरण,** तेंदुआ आदि शामिल हैं।

प्रोजेक्ट राइनो

- भारत में **प्रोजेक्ट राइनो** एक महत्त्वपूर्ण संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य घटती आबादी वाले एक सींग वाले गैंडों को बचाना है।
- इसकी शुरुआत **1980 के दशक** में हुई थी, जब गैंडों के विलुप्त होने के खतरे को गंभीरता से पहचाना गया।
- यह एक **बहुआयामी कार्यक्रम** के रूप में विकसित हुआ, जिसमें **आवास संरक्षण**, **सामुदायिक सहभागिता**, **कानूनी प्रवर्तन** और **वैज्ञानिक अनुसंधान** जैसी प्रमुख रणनीतियाँ शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गैंडा RHINOCEROS

विश्व गैंडा दिवस- 22 सितंबर (2010 में WWF द्वारा घोषित)

गैंडे की 5 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	क्षेत्र, जहाँ पाए जाते हैं	IUCN की रेड लिस्ट में स्थिति	आवास
अफ्रीकन व्हाइट	अफ्रीका	संकट के निकट	लंबी और छोटी घास वाले सवाना क्षेत्र
अफ्रीकन ब्लैक	अफ्रीका	गंभीर रूप से संकटग्रस्त	अर्ध-रेगिस्तानी सवाना
एक सींग वाले गैंडे	एशिया	सुभेद्य	उष्णकटिबंधीय घास के मैदान
जावा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय वन
सुमात्रा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	सवाना की तरह ही

उजुंग कुलोन नेशनल पार्क (यूनेस्को WHS)
पृथ्वी पर अंतिम शेष जंगली जावा राइनो का घर है

एक सींग वाले गैंडे

केवल भारत में पाई जाने वाली प्रजाति (इंडियन राइनो)

विशेषताएँ

- 5 प्रजातियों में से सबसे बड़ी प्रजाति
- एक काली सींग और त्वचा की सिलवटों के साथ एक भूरे रंग की खाल से पहचाना जाता है

खतरे

- सींगों के लिये अवैध शिकार
- आवास की क्षति
- आनुवंशिक विविधता में कमी

संरक्षित क्षेत्र (भारत)

- **उत्तरप्रदेश :**
  - दुधवा टाइगर रिज़र्व
- **पश्चिम बंगाल :**
  - जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान
  - गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान
- **असम:**
  - पबितोरा वन्यजीव अभ्यारण्य
  - ओरंग राष्ट्रीय उद्यान
  - काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान(गैंडों की अधिकतम संख्या: ~2400)
  - मानस राष्ट्रीय उद्यान

संरक्षण प्रयास (भारत)

- राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति
- इंडियन राइनो विजन 2020 (2005 में लॉन्च)

एशियाई गैंडों पर नई दिल्ली घोषणा 2019
5 राइनो रेंज के 5 देशों (भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया) द्वारा हस्ताक्षरित

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश में खसरे के टीकाकरण की कम **कवरेज** के कारण **सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस (SSPE)** एक गंभीर **स्वास्थ्य चिंता** बनी हुई है।

मुख्य बिंदु

- **SSPE के बारे में:**
  - यह एक **प्रगतिशील और घातक** मस्तिष्क विकार है, जो खसरा (रूबेला) संक्रमण से जुड़ा होता है।
  - यह संक्रमण होने के **कई वर्षों बाद** भी विकसित हो सकता है, भले ही व्यक्ति खसरे से पूरी तरह ठीक हो चुका हो।
  - यह रोग **मुख्यत: बच्चों और किशोरों** में पाया जाता है और **पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक** देखा जाता है।
  - हालाँकि, SSPE के मामले दुनिया भर में देखे गये हैं, लेकिन पश्चिमी देशों **में यह एक दुर्लभ बीमारी** मानी जाती है।
- **कारण:**
  - आमतौर पर, **खसरा वायरस मस्तिष्क को प्रभावित नहीं करता है**।
  - लेकिन **असामान्य प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया** या **वायरस के कुछ विशेष रूपों** के कारण **SSPE विकसित हो सकता है**।
  - इस स्थिति में **मस्तिष्क में सूजन (इंफ्लेमेशन) उत्पन्न होती है**, जो **कई वर्षों तक बनी रह सकती है**।
  - **खसरा वायरस की असामान्य प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया** गंभीर जटिलताओं और **मृत्यु** का कारण बन सकती है।
- **लक्षण**
  - **SSPE** के **प्रारंभिक लक्षणों** में **स्कूल के प्रदर्शन में गिरावट, भूलने की प्रवृत्ति, गुस्से आना ध्यान भटकना, अनिद्रा** और **मतिभ्रम** आदि शामिल हो सकते हैं।
  - इसके अतिरिक्त, **हाथों, सिर या शरीर की मांसपेशियों में अचानक झटके** भी अनुभव किये जा सकते हैं।
  - जैसे-जैसे रोग बढ़ता है, **दौरे पड़ने लगते हैं** और **असामान्य व अनियंत्रित मांसपेशी गतिविधियाँ** हो सकती हैं।
  - रोग के **अगले चरण में, मांसपेशियाँ कठोर होने लगती हैं**। भोजन **निगलना कठिन हो सकता है**। इसके अतिरिक्त, कुछ मामलों में **रोगी की दृष्टि भी प्रभावित हो सकती है**।
  - **अंतिम चरण** में, **शरीर का तापमान बढ़ सकता है** और रक्तचाप **एवं नाड़ी असामान्य हो सकती है**।
- **उपचार**
  - **SSPE का कोई निश्चित इलाज उपलब्ध नहीं है**। इस रोग में **उच्च** मृत्यु दर देखी जाती है।
  - लक्षणों को नियंत्रित के लिये **एंटीवायरल दवाएँ** और प्रतिरक्षा प्रणाली **को मज़बूत करने वाली दवाएँ** दी जा सकती हैं।

खसरा:

- **परिचय:**
  - खसरा वायरस **मॉर्बिलीवायरस जीनस** से आबद्ध, **राइबोन्यूक्लिक एसिड वायरस** है।
  - करीबी परिचितों को संक्रमित कर देगा। खसरा अत्यधिक संक्रामक बीमारी है और इससे संक्रमित व्यक्ति प्राय: अपने 90% से अधिक असुरक्षित निकट संपर्कों में वायरस के संचार का करण बनता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वायरस पहले **श्वसन तंत्र** को संक्रमित करता है, फिर पूरे शरीर में फैल जाता है। खसरा एक मानव रोग है और यह जंतुओं में नहीं होता है।
- खसरे को **दो-खुराक वाले टीके के माध्यम से पूरी तरह से रोका जा सकता है** और उन्नत स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों वाले कई देशों में **इसे आधिकारिक तौर पर समाप्त कर दिया गया है।**

- **उपचार:**
  - **खसरे के वायरस के लिये कोई विशिष्ट एंटीवायर**ल उपचार मौजूद नहीं है।
  - भोजन से होने वाली गंभीर जटिलताओं से चिकित्सीय देखभाल के माध्यम से बचा जा सकता है जो अच्छा पोषण, पर्याप्त तरल पदार्थ का सेवन और निर्जलीकरण का उपचार सुनिश्चित करता है।

मॉडल गाँव अभियान

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **अयोध्या ज़िले** के 1147 गाँवों को मॉडल गाँव बनाने के लिये अभियान शुरू किया।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - इस अभियान की शुरुआत अयोध्या ज़िले के तारून ब्लॉक स्थित महानमऊ गाँव से की गई।
  - यह पहल 772 ग्राम पंचायतों में फैले 1,147 गाँवों को कवर करेगी।
- **मुख्य उद्देश्य**
  - गाँवों को मुख्य सड़कों से जोड़कर आवागमन को सुगम बनाना।
  - खुले में शौच से पूर्ण मुक्ति सुनिश्चित करना।
  - कचरा निपटान व पुनर्चक्रण की प्रभावी व्यवस्था करना।
- **अभियान के लाभ**
  - जीवन स्तर में वृद्धि होगी।
  - आर्थिक व सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा मिलेगा।
  - स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

मॉडल गाँव के बारे में:

- मॉडल गाँव वह होता है, जहाँ **स्वच्छता, सुरक्षित वातावरण** और **नागरिकों की सक्रिय भागीदारी** सुनिश्चित होती है।
- ऐसे गाँवों में **खुले में शौच से पूर्ण मुक्ति, सभी घरों में शौचालय, सुरक्षित एवं** स्वच्छ पेयजल **उपलब्धता, गोबर के लिये कंपोस्ट गड्ढे, गीले और सूखे कूड़े के पृथक संग्रहण हेतु गड्ढे** तथा **संपर्क मार्गों की उपलब्धता** जैसी सुविधाएँ होती हैं।
- ये विशेषताएँ किसी गाँव को **मॉडल गाँव** की श्रेणी में लाने के लिये आवश्यक मानी जाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अयोध्या ज़िला के बारे में:

- **परिचय:**
  - यह सरयू नदी के तट पर स्थित एक धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी है।
  - **अयोध्या**, भगवान राम की जन्मभूमि होने के कारण विशेष महत्त्व रखती है।
  - यह प्राचीन काल में **कोशल साम्राज्य की राजधानी** रही थी।
  - **अयोध्या शहर** के निकट **फैजाबाद शहर** की स्थापना 1730 **में** अवध **के पहले नवाब सआदत अली खान** ने की थी।
- **क्षेत्रफल**
- इसका कुल क्षेत्रफल: **2522.0 वर्ग किमी. है**।
  - जैन धर्म में अयोध्या का महत्त्व
  - जैन धर्म के अनुसार, चौबीस तीर्थंकरों में से **पाँच तीर्थंकरों** का जन्म अयोध्या में हुआ था:
    - पहले तीर्थंकर **ऋषभनाथ** जी
    - दूसरे तीर्थंकर **अजितनाथ** जी
    - चौथे तीर्थंकर **अभिनंदननाथ** जी
    - पाँचवें तीर्थंकर **सुमतिनाथ** जी
- चौदहवें तीर्थंकर **अनंतनाथ** जी
  - **प्रमुख दर्शनीय स्थल**
    - राम जन्मभूमि
    - **कनक भवन**
    - हनुमान गढ़ी
    - दशरथ महल

गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड्स

चर्चा में क्यों ?

18 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित **ET गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स** में **उत्तर प्रदेश** को डिजिटल गवर्नेंस की विभिन्न श्रेणियों में **5 पुरस्कार** प्रदान किये गये।

मुख्य बिंदु

- उत्तर प्रदेश को प्राप्त पुरस्कार हैं-
  - सार्वजनिक सेवाओं में AI /ML, डेटा एनालिटिक्स और उभरती प्रौद्योगिकियों का सर्वोत्तम उपयोग
    - **प्राप्तकर्त्ता:** प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड और यूपी पुलिस
    - **कारण: महाकुंभ 2025** के दौरान **एआई-आधारित निगरानी और भीड़ प्रबंधन प्रणाली** के उपयोग के लिये।
  - स्मार्ट मोबिलिटी और परिवहन प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्राप्तकर्त्ता:** उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC)
- **कारण:** यूपी-112 के साथ **Vehicle Location Tracking Device** (VLTD) **और पैनिक बटन** के माध्यम से **व्यापक सुरक्षा** सुनिश्चित करने के लिये

- इनोवेटिव डिजिटल हेल्थ सर्विसेज और पब्लिक हेल्थ डेटा एनालिटिक्स
  - **प्राप्तकर्त्ता:** हमीरपुर ज़िला प्रशासन
  - **कारण:** 'प्रोजेक्ट जागृति: **टीबी मुक्त हमीरपुर**' पहल के लिये।
- सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाने में डिजिटल प्रौद्योगिकी का अभिनव उपयोग
  - **प्राप्तकर्त्ता:** यूपी डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (UPDESCO)
  - **कारण:** **स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना** के तहत डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के लिये।
- डिजिटल गवर्नेंस में नवाचार
  - **प्राप्तकर्त्ता:** उत्तर प्रदेश सरकार
  - **कारण:** विभिन्न डिजिटल पहलों और तकनीकी उन्नयन के जरिये प्रशासनिक कार्यों को बेहतर बनाने के लिये।

- **गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स**
  - **इकोनॉमिक टाइम्स (ET) गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स** को **केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** का समर्थन प्राप्त है।
  - ये पुरस्कार उन अग्रदूतों को प्रदान किये जाते हैं, जिन्होंने **सार्वजनिक सेवाओं में डिजिटल परिवर्तन** को दिशा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
  - इस समारोह में **पूरे भारत से 30 विजेताओं** को सम्मानित किया गया। विभिन्न श्रेणियों में **गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, तेलंगाना, ओडिशा, केरल, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा** सहित कई राज्यों को भी पुरस्कार प्रदान किये गये।

डिजिटल गवर्नेंस के बारे में:

- **परिचय**
  - **डिजिटल गवर्नेंस** किसी संगठन की **डिजिटल उपस्थिति** के लिये **जवाबदेही, भूमिकाएँ और निर्णय लेने का अधिकार** स्थापित करने का एक **ढाँचा** है।
  - इसमें संगठन की **वेबसाइटें, मोबाइल साइट्स, सोशल मीडिया चैनल** और अन्य **इंटरनेट-आधारित सेवाएँ** शामिल होती हैं।
- **महत्त्व**
  - **डिजिटल गवर्नेंस** संगठनों में **स्पष्ट निर्णय प्रक्रिया** सुनिश्चित करता है।
  - यह **प्रभावी प्रबंधन** द्वारा डिज़ाइन, सामग्री, तकनीकी अवसंरचना, सुरक्षा और वित्तपोषण में समन्वय स्थापित करता है।
  - एक मजबूत **गवर्नेंस ढाँचा** संगठन की डिजिटल उपस्थिति को लेकर अनावश्यक **वाद-विवाद को कम** करता है और **बेहतर सेवाओं, मज़बूत संगठनात्मक प्रदर्शन तथा प्रभावी ग्राहक अनुभव** के जरिये **जनता के विश्वास** को बढ़ाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम पर नेशनल कॉन्फ्रेंस

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **कॉन्फ्रेंस के बारे में:**
  - **गोरखपुर नगर निगम** और **WRI इंडिया** के संयुक्त प्रयास से इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।
  - मुख्यमंत्री ने कॉन्फ्रेंस में पर्यावरण संरक्षण और **कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम** करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि **प्रौद्योगिकी और जन जागरूकता** के समन्वय से ही नेट ज़ीरो लक्ष्य (2070) प्राप्त किया जा सकता है।
  - उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि **2017 से अब तक 17 लाख हैलोजन हटाकर LED स्ट्रीट लाइट** लगाई गई हैं। जिससे **1000 करोड़ रुपए की बचत** और **ऊर्जा की खपत** में कमी हुई।
  - मुख्यमंत्री ने बताया कि **लखीमपुर** में **केले के रेशे** से उत्पाद बनाने के लिये एक प्लांट की आधारशिला रखी गई, जहाँ निर्मित उत्पाद **तीन माह** में **विघटित** होकर मिट्टी में मिल जाएंगे।
  - इस कॉन्फ्रेंस में वर्ष **2027 तक गोरखपुर को खुले में कचरा जलाने से मुक्त** करने के लिये प्रभावी रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP):

- **परिचय:** राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) का उद्देश्य सभी हितधारकों को शामिल करके और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कर वायु प्रदूषण को व्यवस्थित रूप से संबोधित करना है।
  - **NCAP के तहत शहर विशिष्ट कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये 131 शहरों की पहचान की गई है।**
- **लक्ष्य:** समयबद्ध कमी के **लक्ष्य के साथ** वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिये एक **राष्ट्रीय ढाँचा तैयार करने का यह देश में पहला प्रयास है।**
  - इसका लक्ष्य अगले पाँच वर्षों (तुलना के लिये आधार वर्ष- 2017) में मोटे (PM10) और महीन कणों (PM2.5) की सांद्रता में कम-से-कम **20% की कमी** करना है।
- **निगरानी:** MoEFCC द्वारा **"प्राण"** पोर्टल भी लॉन्च किया गया है:
  - NCAP के कार्यान्वयन की निगरानी करना।
  - शहरों की कार्य योजनाओं और कार्यान्वयन की स्थिति की निगरानी करना।
  - शहरों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं को दूसरों के अनुकरण के लिये साझा करना।

WRI इंडिया:

- **परिचय**
  - **WRI इंडिया (World Resources Institute India)** एक **स्वतंत्र अनुसंधान** संगठन है, जो **India Resources Trust** के रूप में पंजीकृत है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह World Resources Institute (WRI) से प्रेरित और संबद्ध है, जो **वैश्विक पर्यावरण और विकास चुनौतियों** के समाधान हेतु **1982 में वाशिंगटन, डीसी** में स्थापित किया गया था।

- **उद्देश्य**
  - इसका उद्देश्य **पर्यावरणीय रूप से स्वस्थ और सामाजिक रूप से न्यायसंगत विकास** को बढ़ावा देना है।
  - WRI India **शोध, विश्लेषण और नीतिगत सिफारिशों** के माध्यम से **पर्यावरण संरक्षण, आजीविका संवर्द्धन और मानव कल्याण** को बढ़ाने के लिये **परिवर्तनकारी समाधान** विकसित करता है।
  - यह **भारत के विभिन्न राज्यों** में सतत विकास **परियोजनाओं** पर कार्य कर रहा है।
- **मुख्यालय**
  - WRI इंडिया का मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।

किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) के अंतर्गत जायद फसलें

चर्चा में क्यों ?

19 मार्च, 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार ने **जायद की 9 फसलों** को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के अंतर्गत शामिल करने का निर्णय लिया।

मुख्य बिंदु

- **जायद फसलों के बारे में:**
  - **जायद फसलें** वे फसलें होती हैं, जो रबी और खरीफ मौसम के बीच की अवधि में उगाई जाती हैं। इन फसलों में **तेज गर्मी और शुष्क हवाएँ सहन करने की क्षमता** अधिक होती है।
  - **जायद** की प्रमुख फसलों में **खीरा, कद्दू, करेला, तरबूज, ककड़ी, गन्ना और मूँगफली** जैसी फसलें शामिल हैं।
  - उत्तर भारत में **जायद की फसल** आमतौर पर **मार्च-अप्रैल** में बोई जाती है।
    - किसान अब **मूंगफली, मक्का, मूंग, उड़द, पपीता, लीची, तरबूज, खरबूज और आंवला** जैसी फसलों के लिये KCC और **फसल बीमा योजना** का लाभ उठा सकेंगे।
    - इससे उन्हें **कृषि कार्यों के लिये आसान ऋण** और **प्राकृतिक आपदाओं से फसल क्षति पर क्षतिपूर्ति** मिलेगी।
    - KCC के तहत किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार **कम ब्याज दर पर ऋण** उपलब्ध कराया जाता है। यदि किसान समय पर ऋण चुकता करते हैं तो **3% तक ब्याज में छूट** भी दी जाती है।
    - PMFBY के तहत यदि किसी किसान की फसल **अकाल, अत्यधिक बारिश या अन्य प्राकृतिक आपदाओं** के कारण नष्ट हो जाती है, तो उसे सरकार द्वारा **बीमा राशि के रूप में मुआवजा** दिया जाता है। इससे किसान **आर्थिक संकट से बच सकते हैं।**

किसान क्रेडिट कार्ड:

- **परिचय:**
  - किसान क्रेडिट कार्ड योजना की **शुरुआत वर्ष 1998 में** की गई थी। किसानों की ऋण आवश्यकताओं (कृषि संबंधी खर्चों) की पूर्ति के लिये पर्याप्त एवं समय पर ऋण की सुविधा प्रदान करना, साथ ही आकस्मिक खर्चों के अलावा सहायक कार्यकलापों से संबंधित खर्चों की पूर्ति करना। यह ऋण सुविधा एक सरल कार्यविधि के माध्यम से यथा- आवश्यकता के आधार पर प्रदान की जाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **वर्ष 2004** में इस योजना को किसानों की निवेश ऋण आवश्यकता जैसे संबद्ध और गैर-कृषि गतिविधियों के लिये आगे बढ़ाया गया था।
- बजट-2018-19 में सरकार ने मत्स्य पालन **और** पशुपालन **किसानों को उनकी कार्यशील पूंजी की ज़रूरतों** को पूरा करने में मदद के लिये किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की सुविधा के विस्तार की घोषणा की।
- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ:**
  - **वाणिज्यिक बैंक**
  - **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRBs)**
  - **लघु वित्त बैंक**
  - **सहकारी समितियाँ**

- **उद्देश्य:**
  - फसलों की खेती के लिये अल्पकालिक ऋण आवश्यकताओं को पूरा करना।
  - विपणन ऋण का उत्पादन करना।
  - किसान परिवारों की खपत आवश्यकताएँ।
  - कृषि संपत्ति और कृषि से संबद्ध गतिविधियों के रखरखाव के लिये कार्यशील पूंजी।
  - कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिये निवेश ऋण की आवश्यकता।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY):

- **परिचय:**
  - PMFBY को वर्ष **2016 में** लॉन्च किया गया तथा इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया जा रहा है।
  - इसने **राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (NAIS)** और संशोधित **राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (MNAIS)** को परिवर्तित कर दिया।
- **पात्रता:**
  - अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसल उगाने वाले **पट्टेदार/जोतदार** किसानों सहित सभी किसान कवरेज के लिये पात्र हैं।
- **उद्देश्य:**
  - प्राकृतिक आपदाओं, कीटों और रोगों या किसी भी तरह से फसल के खराब होने की स्थिति में एक व्यापक बीमा कवर प्रदान करना ताकि किसानों की आय को स्थिर करने में मदद मिल सके।
  - खेती में **निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये** किसानों की आय को स्थिर करना।
  - किसानों को नवीन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित करना।
  - कृषि क्षेत्र के लिये ऋण का प्रवाह सुनिश्चित करना।
- **बीमा किस्त:**
  - इस योजना के तहत किसानों द्वारा दी जाने वाली निर्धारित बीमा किस्त/प्रीमियम- खरीफ की सभी फसलों के लिये **2% और सभी रबी फसलों के लिये 1.5% है।**
  - वार्षिक वाणिज्यिक तथा बागवानी फसलों के मामले में **बीमा किस्त 5% है**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नगर निगम बनेंगे सोलर सिटी

चर्चा में क्यों ?

13 मार्च 2025 को गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत हुई **नेशनल कॉन्फ्रेंस** में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के **सभी 17 नगर निगमों** को **सोलर सिटी** के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - इस पहल के तहत नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे **ऊर्जा आत्मनिर्भरता** और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित हो सके।
  - सरकार **सौर ऊर्जा संयंत्रों** की स्थापना, **सौर स्ट्रीट लाइट्स** और **सौर जल-तापन प्रणाली** जैसी योजनाओं को लागू करेगी।
  - इस योजना से **ऊर्जा लागत में कमी** आएगी और हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।
  - यह पहल **प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वर्ष 2070 तक 'नेट-ज़ीरो' लक्ष्य** को प्राप्त करने मे सहायक होगी।
- उत्तर प्रदेश में निम्नलिखित ज़िलों में नगर निगम हैं:

क्रमांक	नगर निगम	क्रमांक	नगर निगम
1	कानपुर	10	मुरादाबाद
2	लखनऊ	11	सहारनपुर
3	गाज़ियाबाद	12	गोरखपुर
4	आगरा	13	फिरोज़ाबाद
5	वाराणसी	14	मथुरा
6	प्रयागराज	15	अयोध्या
7	मेरठ	16	झाँसी
8	बरेली	17	शाहजहाँपुर
9	अलीगढ़		

- **सोलर सिटी**
  - यह एक ऐसा शहर होता है, जो अपनी **ऊर्जा आवश्यकताओं** को मुख्य रूप से **सौर ऊर्जा** से पूरा करता है। इसमें **बिजली उत्पादन, परिवहन, जल आपूर्ति** और अन्य बुनियादी सेवाएँ सौर ऊर्जा पर निर्भर होती हैं। इस अवधारणा का मुख्य उद्देश्य **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों** का अधिकतम उपयोग करना और **कार्बन उत्सर्जन** को कम करना है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP):

- **परिचय: राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)** का उद्देश्य सभी हितधारकों को शामिल करके और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कर वायु प्रदूषण को व्यवस्थित रूप से संबोधित करना है।
  - **NCAP के तहत शहर विशिष्ट कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये 131 शहरों की पहचान की गई है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **लक्ष्य:** समयबद्ध कमी के **लक्ष्य के साथ** वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिये एक **राष्ट्रीय ढाँचा तैयार करने का यह देश में पहला प्रयास है।**
  - इसका लक्ष्य अगले पाँच वर्षों (तुलना के लिये आधार वर्ष- 2017) में मोटे **(PM10) और महीन कणों (PM2.5)** की सांद्रता में कम-से-कम **20% की कमी** करना है।
- **निगरानी:** MoEFCC द्वारा **"प्राण"** पोर्टल भी लॉन्च किया गया है:
  - NCAP के कार्यान्वयन की निगरानी करना।
  - शहरों की कार्य योजनाओं और कार्यान्वयन की स्थिति की निगरानी करना।
  - शहरों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं को दूसरों के अनुकरण के लिये साझा करना।

नेज़ा मेला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश प्रशासन ने **संभल** में आयोजित होने वाले **नेज़ा मेले** पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मुख्य बिंदु

- **मेले के बारे में:**
  - **यह मेला विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी के भतीजा और सेनापति सैयद सालार मसूद गाजी की याद में आयोजित किया जाता था।**
    - अब्दुल सालार गाजी की कब्र **उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले** में स्थित है, जिसका निर्माण फ़िरोज़ शाह तुगलक ने करवाया था।
  - इतिहासकारों के अनुसार, पृथ्वीराज चौहान और महमूद गजनवी के बीच हुए संघर्ष में गजनवी की सेना के कई सैनिक मारे गये थे।
  - इन सैनिकों की **मज़ारें संभल** में बनाई गईं, जो बाद में श्रद्धालुओं के लिये आस्था का केंद्र बन गईं। बाद में इन्हीं जगहों पर नेज़ा मेले का आयोजन किया जाने लगा।
    - उल्लेखनीय है कि **संभल, पृथ्वीराज चौहान की राजधानी** रही थी।
- **प्रतिबंध का कारण**
  - महमूद गजनवी ने **1000 से 1027 ईस्वी के बीच भारत पर 17 बार आक्रमण** किया था और **सोमनाथ मंदिर सहित कई हिंदू धार्मिक स्थलों को नष्ट किया।** उसके सेनापति **सैयद सालार मसूद गाजी** को इन आक्रमणों का प्रमुख सूत्रधार माना जाता है।
  - ऐसे में, **एक लुटेरे और हत्यारे की स्मृति में मेला आयोजित करना उचित नहीं** है।
  - मेले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि **विदेशी आक्रांताओं से जुड़ी है,** इसलिये यह **सांप्रदायिक तनाव का कारण बन सकता है।**

स्टार्टअप इकोसिस्टम रिपोर्ट-2025

चर्चा में क्यों?

स्टार्टअप इकोसिस्टम रिपोर्ट-2025 के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में **तीसरा स्थान** प्राप्त किया है, जहाँ **26 स्टार्टअप्स ने यूनिकॉर्न का दर्जा प्राप्त किया है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **रिपोर्ट के बारे में:**
  - रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश ने **स्टार्टअप ईकोसिस्टम** में उल्लेखनीय प्रगति की है। परिणामस्वरूप, राज्य में **14,000 से अधिक स्टार्टअप्स** उभर चुके हैं।
  - उत्तर प्रदेश **देश का पहला ऐसा राज्य** बन गया है, जहाँ **49 ज़िलों** में स्टार्टअप सक्रिय हैं।
  - पहले स्टार्टअप का केंद्र केवल **नोएडा, गाज़ियाबाद, लखनऊ और कानपुर** जैसे बड़े शहर थे, लेकिन अब छोटे शहरों में भी इनका तेज़ी से विकास हो रहा है।
- **उत्तर प्रदेश के शीर्ष 10 स्टार्टअप हब शहर**
  - **उत्तर प्रदेश के शीर्ष 10 स्टार्टअप हब शहर** में **नोएडा** सबसे आगे है, जहाँ **3418 स्टार्टअप्स** कार्यरत हैं। इसके बाद **लखनऊ** में **1789**, **गाज़ियाबाद** में **1582** और **कानपुर** में **586 स्टार्टअप्स** मौजूद हैं।
  - **वाराणसी** में **406**, **आगरा** में **359**, **मेरठ** में **291** और **प्रयागराज** में **283 स्टार्टअप्स** सक्रिय हैं। वहीं, **गोरखपुर** में **201** और **बरेली** में **177 स्टार्टअप्स** कार्यरत हैं।
- उत्तर प्रदेश का देश में योगदान
  - उत्तर प्रदेश का **भारत के कुल मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में 9.6% योगदान** है।
  - **दिल्ली (10%) और कर्नाटक (10.6%)** से थोड़ा पीछे होने के बावजूद, उत्तर प्रदेश की तेज़ी से बढ़ती हिस्सेदारी इसे जल्द ही दूसरे स्थान पर पहुँचा सकती है।

यूनिकॉर्न:

- **परिचय:**
  - एक यूनिकॉर्न किसी भी **निजी स्वामित्व वाली फर्म** है जिसका बाज़ार पूंजीकरण **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक है।
  - यह अन्य उत्पादों/सेवाओं के अलावा **रचनात्मक समाधान और नए व्यापार मॉडल** पेश करने के लिये समर्पित नई संस्थाओं की उपिस्थिति को दर्शाता है।
  - फिनटेक, एडटेक, बिज़नेस-टू-बिज़नेस (B-2-B) कंपनियाँ आदि इसकी कई श्रेणियाँ हैं।
- **विशेषताएँ:**
  - **विभाजनकारी नवाचार:** अधिकतर सभी यूनिकॉर्न ने उस क्षेत्र में नवाचार लाए हैं जिससे वे संबंधित हैं, उदाहरण के लिये 'उबर' ने आवागमन के स्वरुप को बदल दिया है।
  - **तकनीक संचालित:** यह व्यापार मॉडल नवीनतम तकनीकी नवाचारों और प्रवृत्तियों द्वारा संचालित होता है।
  - **उपभोक्ता-केंद्रित:** इनका लक्ष्य उपभोक्ताओं के लिये कार्यों को सरल बनाना और उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनना है।
  - **निजी स्वामित्व:** अधिकांश यूनिकॉर्न निजी स्वामित्व वाले होते हैं, जब एक स्थापित कंपनी इसमें निवेश करती है तो उनका मूल्यांकन और बढ़ जाता है।
  - **सॉफ्टवेयर आधारित:** एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि यूनिकॉर्न के 87% उत्पाद सॉफ्टवेयर हैं, 7% हार्डवेयर हैं और बाकी 6% अन्य उत्पाद एवं सेवाएँ हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बिठूर महोत्सव 2025

चर्चा में क्यों?

21 से 23 मार्च, 2025 तक उत्तर प्रदेश के कानपुर में **बिठूर महोत्सव** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **महोत्सव के बारे में:**
  - यह महोत्सव प्रतिवर्ष कानपुर के **ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल बिठूर** में आयोजित किया जाता है।
  - इस महोत्सव में **1857 की क्रांति** की गौरवशाली झलक देखने को मिलेगी, साथ ही **छवि, रंगमंच, संगीत, नाट्य** और विभिन्न संस्कृतियों की मनोरम प्रस्तुतियाँ की जाती हैं।
  - इस वर्ष का महोत्सव **उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की साझा संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत** पर आधारित था।
- **1857 की क्रांति में बिठूर की भूमिका**
  - उत्तर प्रदेश के **कानपुर ज़िले** में गंगा नदी के किनारे स्थित यह नगर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से गहराई से जुड़ा हुआ है।
  - **कानपुर की घेराबंदी (5- 25 जून 1857)** बिठूर किले के पास आरंभ हुई। मराठा पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र नाना साहब को अंग्रेज़ो द्वारा बिठूर में **निर्वासित** कर दिया गया था। उनका किला **विद्रोह की रणनीति का मुख्यालय** बना।
  - स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायक **नाना साहब, रामचंद्र पांडुरंग और** तात्या टोपे ने यहीं से **अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध संघर्ष** की शुरुआत की।
  - **19 जुलाई 1857** को **ब्रिटिश जनरल हैवलॉक** ने बिठूर पर **कब्ज़ा** कर लिया। इसके बाद अंग्रेज़ों ने **बिठूर किले, घाटों और अनेक मंदिरों को आग के हवाले कर दिया**। इस त्रासदी में **नाना साहब की 14 वर्षीय पुत्री, मैनावती**, आग में जलकर शहीद हो गईं। उनकी **स्मृति में कानपुर में एक सड़क का नाम 'मैनावती मार्ग' रखा गया।**

उत्तर प्रदेश में देश का पहला टेक्सटाइल मशीन पार्क

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) मंत्री ने घोषणा की है कि देश का **पहला टेक्सटाइल मशीन पार्क** कानपुर के निकट **875 एकड़** भूमि पर स्थापित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **पार्क के बारे में:**
  - यह पार्क **कानपुर के निकट भोगनीपुर क्षेत्र के चपरघटा गाँव में** विकसित किया जाएगा।
  - यह पार्क PPP (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित किया जाएगा, जिससे **आयात पर निर्भरता घटेगी** और मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा।
  - इस पार्क का उद्देश्य टेक्सटाइल उद्योग **में उपयोग होने वाली मशीनों** का देश में ही निर्माण करना है, जिन्हें वर्तमान में **चीन, वियतनाम, दक्षिण कोरिया, ताइवान और यूरोप** जैसे देशों से आयात किया जाता है।
  - इस परियोजना के तहत **200 से अधिक बड़ी और मध्यम इकाइयाँ** स्थापित की जाएंगी, जिससे **करीब 1.5 लाख लोगों को रोज़गार** मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- इसके अलावा, इस पार्क से **30,000 करोड़ रुपए तक के निर्यात** का अनुमान है।
- अभी तक भारत **सर्कुलर निटिंग मशीन, फ्लैट निटिंग मशीन, डाइविंग मशीन, प्रिंटिंग मशीन, सिलाई मशीन, पेशेंट गाउन मशीन और तकनीकी टेक्सटाइल मशीनों** का आयात करता है, लेकिन अब इनका **निर्माण उत्तर प्रदेश में ही किया जाएगा।**
- इससे न केवल **मशीनों की लागत 40% तक कम होगी**, बल्कि इनकी **रिपेयरिंग और मेंटेनेंस के लिये स्थानीय स्तर पर तकनीकी विशेषज्ञ भी तैयार किये जाएंगे।**

- उत्तर प्रदेश में टेक्सटाइल सेक्टर
  - उत्तर प्रदेश सरकार टेक्सटाइल सेक्टर में **तीव्र गति से प्रगति कर रहा है**। यहाँ **बनारसी सिल्क, चिकनकारी, हैंडलूम और पावरलूम** उद्योग काफी प्रसिद्ध हैं।
  - सरकार ने **टेक्सटाइल और अपैरल नीति-2022** के तहत **टेक्सटाइल उद्योग को सशक्त बनाने** और राज्य को **टेक्सटाइल हब** के रूप में विकसित करने के लिये कई पहल की हैं।
  - **इसके तहत लखनऊ के पास पीएम मित्र पार्क सहित राज्य के 10 ज़िलों में 10 नए टेक्सटाइल पार्क** स्थापित किये जा रहे हैं।
  - वर्ष **2030 तक भारत का टेक्सटाइल बाज़ार 350 अरब डॉलर** तक पहुँचने का अनुमान है।

मेक इन इंडिया पहल:

- **परिचय:**
  - वर्ष 2014 में इस अभियान को निवेश को सुविधाजनक बनाने, नवाचार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने, बौद्धिक संपदा की रक्षा करने तथा सर्वश्रेष्ठ विनिर्माण बुनियादी ढाँचे का निर्माण करने के लिये शुरू किया गया था।
  - इसका नेतृत्त्व **उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (Department for Promotion of Industry and Internal Trade- DPIIT), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,** भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है।
  - यह पहल दुनिया भर के संभावित निवेशकों और भागीदारों को 'न्यू इंडिया' की विकास गाथा में भाग लेने हेतु एक खुला निमंत्रण है।
  - मेक इन इंडिया ने **27 क्षेत्रों में पर्याप्त उपलब्धियाँ हासिल की हैं।** इनमें विनिर्माण और सेवाओं के रणनीतिक क्षेत्र भी शामिल हैं।
- **उद्देश्य:**
  - **नए औद्योगीकरण** के लिये **विदेशी निवेश** को आकर्षित करना और चीन से आगे निकलने के लिये भारत में पहले से मौजूद उद्योग आधार का विकास करना।
  - मध्यावधि में विनिर्माण क्षेत्र की **वृद्धि को 12-14% वार्षिक करने का लक्ष्य।**
  - देश के सकल घरेलू उत्पाद में **विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को वर्ष 2022 तक 16% से बढ़ाकर 25% करना।**
  - **वर्ष 2022 तक 100 मिलियन अतिरिक्त रोज़गार सृजित करना।**
  - निर्यात आधारित विकास को बढ़ावा देना।

वाराणसी में डॉल्फिन सफारी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने वाराणसी में **डॉल्फिन सफारी** स्थापित करने की घोषणा की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **सफारी के बारे में:**
  - ये सफारी वाराणसी ज़िले के कैथी से ढकवा गाँव के बीच स्थापित किया जाएगा।
  - इस क्षेत्र में डॉल्फिन की संख्या सबसे अधिक गई जाती है।
  - वाराणसी ज़िले में गंगा नदी में डॉल्फिन संरक्षण के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने 'डॉल्फिन मित्र' नियुक्त किये हैं।

उद्देश्य:

- **इस सफारी का उद्देश्य** गंगा नदी में **गंगेटिक डॉल्फिन** की संख्या में वृद्धि को बढ़ावा देना एवं उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा सुनिश्चित करना। इसके अतिरिक्त **इको-टूरिज्म** को प्रोत्साहित करना है।
- **'डॉल्फिन मित्र'** एवं वन विभाग के सहयोग से लोगों को डॉल्फिन संरक्षण **के महत्त्व** के बारे में शिक्षित करना।

गंगा नदी डॉल्फिन:

- **परिचय:**
  - गंगा नदी डॉल्फिन (Platanista gangetica), जिसे **"टाइगर ऑफ द गंगा"** के नाम से भी जाना जाता है, की खोज **आधिकारिक तौर पर वर्ष 1801** में की गई थी।
- **पर्यावास: गंगा नदी** डॉल्फिन मुख्य रूप से भारत, नेपाल और बांग्लादेश की प्रमुख नदी प्रणालियों (गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और कर्णफुली-सांगु) में पाई जाती है।
  - हाल के अध्ययन के अनुसार, गंगा नदी बेसिन में इसकी विभिन्न प्रजातियाँ गंगा नदी की मुख्य धारा तत्पश्चात् सहायक नदियों- **घाघरा, कोसी, गंडक, चंबल, रूपनारायण** और **यमुना** से दर्ज की गई हैं।
- **विशेषताएँ:**
  - गंगा नदी डॉल्फिन **केवल मीठे जल स्रोतों में ही रह सकती** है और मूलत: दृष्टिहीन होती है। ये **अल्ट्रासोनिक ध्वनियाँ** उत्सर्जित कर मछली एवं अन्य शिकार को उछालती हैं, जिससे उन्हें **अपने दिमाग में एक छवि "देखने" में मदद मिलती है** और इस प्रकार अपना शिकार करती हैं।
  - वे प्राय: अकेले या छोटे समूहों में पाए जाते हैं और आमतौर पर मादा डॉल्फिन तथा शिशु डॉल्फिन एक साथ यात्रा करते हैं।
    - **मादाएँ नर से आकार में बड़ी होती हैं** और प्रत्येक दो से तीन वर्ष में केवल एक बार शिशु को जन्म देती हैं।
  - स्तनपायी होने के कारण **गंगा नदी डॉल्फिन जल में साँस नहीं ले सकती** है और उसे प्रत्येक 30-120 सेकंड में सतह पर आना पड़ता है।
    - साँस लेते समय निकलने वाली ध्वनि के कारण इस **जीव को लोकप्रिय रूप से 'सोंस' अथवा सुसुक कहा जाता है।**
- **महत्त्व:**
  - इनका बहुत अधिक महत्त्व है क्योंकि यह **संपूर्ण नदी पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का एक विश्वसनीय संकेतक है।**
    - भारत सरकार ने **वर्ष 2009 में इसे राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया।**
    - यह **असम का राज्य जलीय पशु** भी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- **सुरक्षा की स्थिति:**
  - प्रकृति संरक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN): लुप्तप्राय
  - भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972: अनुसूची I
  - लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (CITES): परिशिष्ट I
  - प्रवासी प्रजातियों पर अभिसमय (CMS): परिशिष्ट 1
- **संबंधित सरकारी पहल:**
  - प्रोजेक्ट डॉल्फिन
  - बिहार में विक्रमशिला गंगा डॉल्फिन अभयारण्य स्थापित किया गया है।
  - राष्ट्रीय गंगा नदी डॉल्फिन दिवस (5 अक्तूबर)

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :